प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

वर्ष-4 | अंक-181 | सांध्य दैनिक | मथुरा, बुधवार, 26 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

48-48 वोट पर अटका चेयरमैन चुनाव, कुर्सी का फैसला अधर में

बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज चेयरमैन पद

प्रदीप अग्रवाल और नवीन मित्तल के बराबर मतों से बढ़ा पेच

चुनाव अधिकारी बोले, बराबरी पर होगा लॉटरी से फैसला

डेढ़-डेढ़ साल के कार्यकाल के सुझाव पर भी नहीं बनी बात

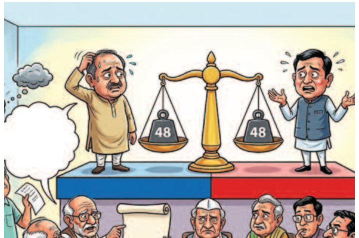

यूनिक समय, मथुरा। श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल द्वारा संचालित बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के चेयरमैन पद के चुनाव में बराबरी के मुकाबले ने नया पेच खड़ा कर दिया है। मंगलवार को हुए मतदान के बाद मतगणना में दोनों प्रत्याशियों प्रदीप अग्रवाल और नवीन मित्तल को 48-48 वोट मिले। बराबर मत आने के बाद चेयरमैन पद का फैसला अटक गया है। अब इस मामले में समाज के प्रतिष्ठित लोगों की भूमिका अहम मानी जा रही है।

चेयरमैन पद के लिए मंगलवार को श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल के सदस्यों ने मतदान किया था। मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना शुरू हुई। परिणाम सामने आया तो दोनों प्रत्याशी बराबरी पर रहे। 48-48 मत मिलने के बाद न तो किसी प्रत्याशी की जीत हुई और न ही हार। इससे चुनाव से जुड़े लोगों के साथ समाज के वरिष्ठ लोग भी असमंजस में पड़ गए।

बराबरी की स्थिति सामने आने के बाद देर रात समाज के कुछ प्रतिष्ठित लोगों ने बैठक कर समाधान निकालने का प्रयास किया। चर्चा में यह सुझाव सामने आया कि प्रदीप अग्रवाल और नवीन मित्तल को डेढ़-डेढ़ वर्ष के लिए चेयरमैन बनाया जाए। इस व्यवस्था को लेकर दोनों पक्षों में सहमति बनने की बात कही गई।

हालांकि, इसके साथ ही एक नई आशंका सामने आ गई। चर्चा हुई कि यदि पहले कार्यकाल वाला चेयरमैन डेढ़ वर्ष बाद पद छोड़ने से इनकार कर देता है तो उसे हटाने की जिम्मेदारी किसकी होगी। इसी सवाल ने समझौते के रास्ते को मुश्किल कर दिया। इसके बाद मामला फिर चुनाव प्रक्रिया के नियमों पर लौट आया। मुख्य चुनाव अधिकारी सुभाष चंद्र अग्रवाल सिक्का ने डेढ़-डेढ़ वर्ष के कार्यकाल की व्यवस्था को स्वीकार नहीं किया। उनका कहना है कि बराबर मत मिलने की स्थिति में फैसला लॉटरी के माध्यम से किया जा सकता है। इस व्यवस्था के सामने आने के बाद चेयरमैन पद को लेकर असमंजस और बढ़ गया है।

समाज के जानकारों का कहना है कि चेयरमैन पद का फैसला सोच-समझकर किया जाना चाहिए, क्योंकि जल्दबाजी में अपनाई गई किसी व्यवस्था से भविष्य में विवाद खड़ा हो सकता है। यही कारण है कि समाज के कई प्रतिष्ठित लोग फिलहाल खुलकर कोई राय देने से बच रहे हैं। चुनाव अधिकारी भी फिलहाल मामले में विस्तृत जानकारी देने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में अब सभी की निगाहें समाज के वरिष्ठ लोगों और चुनाव अधिकारी के अगले निर्णय पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि चेयरमैन पद को लेकर जल्द ही कोई अंतिम निर्णय सामने आ सकता है।

झोलाछाप डॉक्टरों पर स्वास्थ्य विभाग का शिकंजा, दो क्लीनिक सील

दो सप्ताह पहले इलाज के दौरान बालिका की मौत के मामले के बाद कार्रवाई तेज

परखम में और मसानी में छापेमारी से मचा हड़कंप झोलाछाप हो गए लापता

गांव परखम में क्लीनिक को सीज होने के बाद झोलाछाप अमित गोयल, पास खड़े हैं नोडल अधिकारी डॉ.गोपाल बाबू गर्ग।

भनक लगते ही भाग गया झोलाछाप अस्पताल संचालक

17 अगस्त को स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ.गोपाल बाबू गर्ग ने फरह क्षेत्र के गांव बरारी, रैपुराजाट और परखम में संचालित झोलाछापों के ठिकानों पर छापे मारे थे। इस कार्रवाई के दौरान परखम में संचालित एक पैथोलॉजी पर छापा पड़ते ही अवैध अस्पताल संचालित कर रहा झोलाछाप शटर गिराकर भाग गया।

यूनिक समय, मथुरा। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बिना डिग्री और बिना जरूरी चिकित्सकीय योग्यता के क्लीनिक चला रहे झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने अभियान चलाया।

बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने फरह क्षेत्र के परखम गांव में कार्रवाई करते हुए झोलाछाप अमित गोयल के क्लीनिक को सील कर दिया। टीम ने मसानी क्षेत्र में एक बंगाली क्लीनिक पर भी छापेमारी कर उसे सीज कर दिया। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से झोलाछाप डॉक्टरों में हड़कंप मच गया। कई डॉक्टर अपनी दुकानों के शटर बंद कर मौके से भाग गए। नोडल अधिकारी डॉ.गोपाल बाबू गर्ग ने बताया कि करीब दो सप्ताह पहले परखम गांव में एक झोलाछाप डॉक्टर के इलाज के दौरान दो साल की अवोध बालिका की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की नजर गांव में बिना पंजीकरण और डिग्री के चल रहे क्लीनिकों पर थी। विभाग की टीम ने कई बार कार्रवाई का प्रयास किया, लेकिन क्लीनिक संचालक मौके से निकल जाता था।

बुधवार को स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी ने अपनी टीम के अचानक छापेमारी की और अमित गोयल के क्लीनिक को सील कर दिया। मसानी में बंगाली क्लीनिक पर भी जांच की गई। जांच के दौरान आवश्यक दस्तावेज और चिकित्सकीय योग्यता से संबंधित जानकारी मांगी गई। संतोषजनक स्थिति नहीं मिलने पर टीम ने क्लीनिक को सीज कर दिया। कई संचालक अपने क्लीनिक बंद कर वहां से निकल गए। उन्होंने कहा कि बिना वैध डिग्री और पंजीकरण के मरीजों का इलाज करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाले कथित झोलाछाप डॉक्टरों पर अब शिकंजा कसा जाएगा।

रक्षाबंधन को लेकर खाद्य विभाग की कार्रवाई, 17 नमूने जांच के लिए भेजे

त्योहार पर मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए जिलेभर में अभियान जारी

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन त्योहार को देखते हुए लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तायुक्त खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की ओर से सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ. जतिन कुमार सिंह के नेतृत्व में खाद्य सचलदल ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। गांव छौली, बलदेव में चंद्रभान और सतीश चंद्र के प्रतिष्ठान से खोआ के एक-एक नमूने लिए गए। महावन में केवल सिंह, भूरा और हेमंत के प्रतिष्ठानों से खीर मोहन के नमूने लिए गए। मंडी चौराहा स्थित बिंदल स्वीट्स से घेवर, बर्फी और हरी मटर नमकीन, बजरंग स्वीट्स एंड डेयरी से खोआ व घेवर तथा राधिका स्वीट्स से घेवर, काजू बर्फी और खोआ के नमूने लिए गए। वृंदावन स्थित रॉयल भारती स्वीट्स से छेना मिठाई और काजू कतली तथा भारती स्वीट्स से घेवर और राजभोग के नमूने लिए गए। 17 नमूने जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। टीम में मोहर सिंह कुशवाह, राम नरेश, अरुण कुमार, दिनेश भारती, रीना शर्मा और नेहा सिंह शामिल रहे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बांकेबिहारी मंदिर में नाराजगी

सेवायतों ने फूल माला और प्रसाद लेने से किया इंकार

श्रद्धालुओं ने जगमोहन में फेंककर चढ़ाई मालाएं

हाई पावर कमेटी ने कार्रवाई की बात कही

मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर हाई पावर कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं द्वारा फूल मालाएं इस प्रकार फेंककर अर्पित करने की प्रक्रिया स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मामले का संज्ञान लेकर कार्रवाई की जाएगी।

श्रद्धालुओं ने व्यवस्था में बदलाव की मांग उठाई

दर्शन के लिए विभिन्न शहरों से आए श्रद्धालुओं ने कहा कि मंदिर में पूजा-अर्चना और चढ़ावे को लेकर ऐसी स्थिति नहीं बननी चाहिए, जिससे भक्तों की भावनाएं आहत हों। श्रद्धालुओं ने सेठ सांवलिया मंदिर का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां जैसी व्यवस्थित व्यवस्था है, उसी तरह बांकेबिहारी मंदिर में भी ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। श्रद्धालुओं का कहना था कि ठाकुर बांकेबिहारी के प्रति उनकी आस्था सर्वोपरि है। उन्होंने मंदिर प्रशासन से ऐसी व्यवस्था बनाने की मांग की, जिसमें चढ़ावा और पूजा सामग्री अर्पित करने के साथ श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं का भी सम्मान हो।

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं से मिलने वाले चढ़ावे को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद सेवायत गोस्वामियों में नाराजगी दिखाई दी। बुधवार को इस नाराजगी का असर मंदिर की व्यवस्थाओं में नजर आया। श्रद्धालुओं का आरोप है कि उनके द्वारा ठाकुर बांकेबिहारी को अर्पित करने के लिए लाई गई फूल मालाएं और प्रसाद लेने से भंडारियों ने इन्कार कर दिया। इससे कई श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था को ठेस पहुंचने की बात कही।

बताया गया कि मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले से संबंधित खबर प्रकाशित होने के बाद बुधवार सुबह मंदिर परिसर में माहौल बदला हुआ नजर आया। दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु अपने आराध्य को अर्पित करने के लिए फूल मालाएं और प्रसाद लेकर पहुंचे थे। लेकिन भंडारियों द्वारा फूल माला लेने से इन्कार किए जाने के बाद श्रद्धालुओं ने मालाएं मंदिर के आंगन से जगमोहन की ओर फेंककर अर्पित कीं। कुछ समय तक यह दृश्य मंदिर परिसर में दिखाई देता रहा।

कृष्ण जन्मोत्सव में दिखेगा उत्तर भारत की लोक संस्कृति का संगम

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर बैठक में बोलतीं ब्रज तीर्थ विकास परिषद की मुख्य कार्यपालक एन. लक्ष्मी।

तीन सितंबर की शोभायात्रा में ब्रज संग बुंदेलखंड, अवध राजस्थान और हरियाणा के कलाकार देंगे प्रस्तुति

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का शुभारंभ इस बार लोक संस्कृति के अनूठे संगम के साथ होगा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव से एक दिन पहले तीन सितंबर को सुबह नौ बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान के गेट नंबर–1 से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें ब्रज के लोक कलाकारों के साथ बुंदेलखंड, अवध, राजस्थान और हरियाणा के कलाकार भी अपनी पारंपरिक कलाओं की प्रस्तुति देंगे।

शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर मंगलवार को समिति सदस्यों, सामाजिक संस्थाओं, सांस्कृतिक संगठनों और मार्ग में स्वागत करने वाले नागरिकों की बैठक हुई। तय कार्यक्रम के अनुसार शोभायात्रा श्रीकृष्ण जन्मस्थान से शुरू होकर महाविद्या कॉलोनी, गोविंद नगर थाना, होटल शीतल रीजेंसी, मुकुंद विहार और डीग गेट होते हुए वापस श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचेगी। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्वागत की व्यवस्था की जाएगी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन ने कहा कि यह केवल परिषद की शोभायात्रा नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण में आस्था रखने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की यात्रा है। बैठक में परिषद के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजीव पांडे, सतीश चंद्र, मुख्य अभियंता राणा प्रताप सिंह, सहायक अभियंता जेके जैन, इस्कॉन वृंदावन के अध्यक्ष रवि लोचन दास, मान मंदिर के पंकज चतुर्वेदी, नेहरू युवा केंद्र के अमित कुमार, संस्कार भारती के सुरेंद्र गुप्ता, रेडक्रॉस के एएल खंडेलवाल सहित अन्य पदाधिकारी- प्रतिनिधि मौजूद रहे।

रास, लोकगीत और पारंपरिक नृत्य बनेंगे आकर्षण

परिषद की शोभायात्रा में मान मंदिर बरसाना की सखियां, संतगण, इस्कॉन की संकीर्तन मंडली, बैंड दल तथा विभिन्न लोक- सांस्कृतिक दल शामिल होंगे। कलाकार पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्यों और नृत्य के माध्यम से अपनी–अपनी क्षेत्रीय संस्कृति प्रस्तुत करेंगे। ब्रज के कलाकार रास, लोकगीत और कृष्ण से जुड़ी लोक परंपराओं की झलक दिखाएंगे। वहीं बुंदेलखंड, अवध, राजस्थान और हरियाणा के कलाकार अपनी लोक शैलियों से शोभायात्रा को रंगीन बनाएंगे। मार्ग में पुष्पवर्षा, स्वागत–सत्कार और स्वल्पाहार की व्यवस्था भी रहेगी। संस्कार भारती, उद्योगपति प्रमोद गर्ग, नागरिक सुरक्षा संगठन के पदाधिकारी राजीव बृजवासी, समाजसेवी एसके शर्मा, नवीन मित्तल, जयंती प्रसाद अग्रवाल, अमित जैन, सभासद नीरज वशिष्ठ सहित विभिन्न संगठनों- नागरिकों की ओर से स्वागत की व्यवस्था की जाएगी। कल्याण करोति, नेहरू युवा केंद्र, नागरिक सुरक्षा दल, युवा कल्याण विभाग सहित अन्य संगठनों को भी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी दी गई है।

मथुरा–वृंदावन में 113 अवैध होर्डिंग्स, बैनर और पोस्टर हटाए

जन्माष्टमी को लेकर अवैध होर्डिंग्स के खिलाफ नगर निगम का अभियान तेज

नगर निगम के कर्मचारी अवैध होडिंग हटाते।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को देखते हुए मथुरा–वृंदावन नगर निगम ने शहर को साफ–सुथरा और सुंदर बनाए रखने के लिए अवैध होर्डिंग्स और विज्ञापन सामग्री के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज के निर्देश पर बुधवार को मथुरा और वृंदावन क्षेत्र में कार्रवाई की गई। इस दौरान 113 छोटे–बड़े अवैध होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर और अन्य विज्ञापन सामग्री हटाई गई।

मथुरा क्षेत्र में कृष्णानगर चौराहा से गोवर्धन चौराहा और वहां से गोवर्धन रोड होते हुए सतोहा तक अभियान चलाया गया। इस दौरान 49 अवैध होर्डिंग्स और अन्य विज्ञापन सामग्री हटाई गई। वहीं वृंदावन क्षेत्र में अटल्ला चुंगी से नगर निगम चौराहा, नगर निगम चौराहा से चामुंडा देवी मंदिर मार्ग और परिक्रमा मार्ग पर कार्रवाई की गई।

यहां 64 अवैध होर्डिंग्स, बैनर और पोस्टर हटाए गए। नगर आयुक्त ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति विज्ञापन सामग्री लगाने वालों के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई की जाएगी।

नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों और प्रतिष्ठानों पर जुर्माना लगाने के साथ कार्रवाई भी की जाएगी।

अमर्यादित टिप्पणी पर भड़का निषाद समाज

महंत राजू दास का पुतला फूंका

यूनिक समय, मथुरा। टीवी चैनल पर लाइव डिबेट के दौरान हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास द्वारा कांग्रेस प्रवक्ता- निषाद समाज के वरिष्ठ नेता कुंवर सिंह निषाद पर की गई टिप्पणी से निषाद समाज और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। गुस्साए लोगों ने दामोदरपुरा के मुख्य द्वार पर राजू दास का पुतला फूंका। प्रदर्शन के दौरान युवाओं और समाज के वरिष्ठ लोगों ने नारेबाजी करते हुए राजू दास का पुतला आग के हवाले कर अपने आक्रोश का इजहार किया। नाराज प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सार्वजनिक मंचों पर इस तरह की भाषा और अमर्यादित आचरण किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। राजू दास को इस व्यवहार के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। चेतावनी दी कि यदि जनप्रतिनिधियों और सामाजिक नेताओं के प्रति इस प्रकार की भाषा के प्रयोग पर रोक नहीं लगी, तो यह आंदोलन और उग्र रूप धारण करेगा। इस दौरान निषाद समाज के कई प्रमुख प्रतिनिधि,भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

युवती को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप, मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवती को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले जाने का मामला सामने आया है। युवती के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर बेटी को तलाशने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। युवती के पिता ने बताया कि उनकी करीब 18 वर्षीय पुत्री को 19 अगस्त को दोपहर नीरज कुशवाह अपनी बातों में बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इससे पहले भी नीरज ने उनकी बेटी को अपने साथ ले जाने का प्रयास किया था, लेकिन उस समय वह सफल नहीं हो पाया था।

कार की टक्कर से मजदूर की मौत

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से कार चलाने के कारण एक मजदूर की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा 24 अगस्त की सुबह करीब 9:15 बजे पातीराम मंदिर के पास हुआ। मृतक की पहचान रामदयाल के रूप में हुई है। रामदयाल ग्राम बारीबेरा, थाना गोयरा, जिला छतरपुर के रहने वाले थे और वर्तमान में थाना हाइवे के पालीखेड़ा में रह रहे थे। वह 24 अगस्त की सुबह मजदूरी का काम करने के लिए पैदल कृष्णानगर की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह पातीराम मंदिर के पास पहुंचे, मंडी चौराहे की ओर से आ रही कार के अज्ञात चालक ने वाहन को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए कच्चे रास्ते की ओर ले जाकर रामदयाल को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से रामदयाल गंभीर घायल हो गए। जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

नववर्ष मेला समिति ने लगाया शिविर, 51 ने किया रक्तदान

यूनिक समय, मथुरा। रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में नववर्ष मेला समिति मथुरा और सदभावना चैरिटेबल ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में रक्षाबंधन पर्व को समर्पित एक रक्तदान शिविर का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में बुधवार को किया गया। 51 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

शिविर में रक्तदान करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर उर्फ राजू यादव, पास हैं समिति महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव, संरक्षक जयप्रकाश शर्मा।

शुभारंभ नववर्ष मेला समिति महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. डीपी गोयल ने किया। रक्तदान करने वाले रक्तदानदाताओं को वालिंटियर कार्ड, प्रमाण पत्र, उपहार देकर सम्मानित किया गया। सभी रक्तदानदाताओं को जूस और अल्पाहार दिया गया। समिति महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने कहा कि रक्तदान भी किसी न किसी की रक्षा के लिए किया जाने वाला सेवाकार्य हैं। महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव, भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर उर्फ राजू यादव, उपाध्यक्ष रामकिशन पाठक, प्रदीप अग्रवाल, दीपेश, प्रिया वशिष्ठ, राजेश पचौरी, आशा अग्रवाल ,चंचल, दौजी सैनी, कान्हा यादव, मानस पचौरी, देवान्शु और पूजा अग्रवाल आदि सहित 51 कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर समिति संरक्षक जयप्रकाश शर्मा, लकी कमल, डा. संजय अग्रवाल, विजय बंटा, डा. दीपा अग्रवाल, गंगाधर अरोरा, अनिरुद्ध, योगेश आभा, डा. रुचि अग्रवाल, राजकुमार, अजय अग्रवाल, सद्भावना ब्लड बैंक के डॉ. भूदेव सिंह, डॉ. प्रदीप पाराशर, डायरेक्टर संजीव सारस्वत, तरूण, सुशील, सौरभ, पंकज, रवि आदि उपस्थित रहे।

राजकीय बालिका गृह में किशोरी की मौत पर जांच शुरू

जांच करने के बाद राजकीय बालिका गृह से बाहर आए सीडब्ल्यूसी के सदस्य।

जांच पूरी होने के बाद शासन को भेजी जाएगी रिपोर्ट

बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने बताया कि समिति पांच बिंदुओं को आधार बनाकर मामले की जांच कर रही है। बुधवार को टीम ने करीब तीन घंटे तक मौके पर रहकर आवश्यक जानकारी जुटाई है। उन्होंने कहा कि जांच अभी जारी रहेगी और सभी संबंधित तथ्यों को सामने लाने के बाद रिपोर्ट तैयार की जाएगी। उन्होंने बताया कि जांच पूरी होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। समिति की रिपोर्ट के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट होगी। फिलहाल जांच दल घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं और बालिका गृह की व्यवस्थाओं की जानकारी जुटाने में लगा है।

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन स्थित राजकीय बालिका गृह में किशोरी की मौत के मामले में बाल कल्याण समिति ने जांच शुरू कर दी है। बुधवार को समिति की चार सदस्यीय टीम ने बालिका गृह पहुंचकर करीब तीन घंटे तक निरीक्षण किया।

इस दौरान टीम ने अधीक्षिका, वहां रह रही बालिकाओं और कर्मचारियों से घटना से जुड़ी जानकारी हासिल की। जांच पांच प्रमुख बिंदुओं पर केंद्रित बताई जा रही है।

चार सदस्यीय दल ने तीन घंटे तक किया निरीक्षण, अधीक्षिका और बालिकाओं से ली जानकारी

बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में चार सदस्यीय दल बुधवार सुबह करीब 10 बजे राजकीय बालिका गृह पहुंचा। टीम में अनिता गुप्ता, मोहिनी शर्मा और अंजू शर्मा शामिल रहीं। समिति के सदस्यों ने बालिका गृह के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

जांच दल ने किशोरी की मौत से जुड़े घटनाक्रम को समझने के लिए अधीक्षिका से पूछताछ की।

इसके बाद बालिका गृह में रह रही किशोरियों और वहां तैनात कर्मचारियों से भी अलग–अलग जानकारी ली गई। टीम ने घटना से पहले और बाद की परिस्थितियों तथा बालिका गृह की व्यवस्थाओं से संबंधित तथ्यों को भी समझने का प्रयास किया।

गौरतलब है कि शुक्रवार को बरेली निवासी 14 वर्षीय किशोरी की संरक्षण गृह के स्नानघर में मौत हुई थी। पोस्टमार्टम में मौत का कारण पानी में डूबना बताया गया था। पुलिस जांच में दो अन्य किशोरियों पर हत्या का आरोप सामने आया था। दोनों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें बाराबंकी स्थित बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया।

कोसीकलां में चला एंटी रोमियो अभियान, मनचलों में मचा हड़कंप

यूनिक समय, कोसीकलां। एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के दृष्टिगत चलाए जा रहे एंटी रोमियो अभियान के तहत बुधवार को नगर के गांधी पार्क में पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया।

अभियान का नेतृत्व करने वालीं महिला पुलिसकर्मियों ने गांधी पार्क में घूम रहे संदिग्ध युवकों को रोककर कड़ाई से पूछताछ की। युवकों के मोबाइल फोन चेक किए गए, उनके मोबाइल नंबरों की जानकारी और आईडी प्रूफ नोट किए गए। अनावश्यक रूप से पार्क में घूम रहे युवकों को कड़ी हिदायत देकर वहां से हटाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने पार्क में मौजूद महिलाओं और राहगीर महिलाओं को भी जागरूक किया। महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, यूपी डायल 112 और संबंधित थाना पुलिस के सीयूजी मोबाइल नंबरों की जानकारी दी। साथ ही कहा कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, पीछा करने या अभद्रता की घटना होने पर बिना डरे तुरंत इन नंबरों पर सूचना दें, पुलिस तत्काल मदद के लिए पहुंचेगी।

पुलिस की इस कार्रवाई से पार्क में मौजूद महिलाओं ने सराहना की। थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार ने बताया कि नगर के सभी पार्कों, कॉलेजों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर एंटी रोमियो अभियान लगातार जारी रहेगा और मनचलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नकदी और जेवरात लेकर किशोरी घर से लापता

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र के भडाना नगर पालीखेड़ा निवासी एक व्यक्ति ने अपनी पुत्री के घर से लापता होने के संबंध में पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित के अनुसार, 25 अगस्त की रात करीब 2:30 से तीन बजे के बीच किशोरी घर से बिना किसी को बताए चली गई। किशोरी अपने साथ घर में रखी करीब 14 हजार रुपये की नकदी, सोने के आभूषण, जिनमें एक जोड़ी कुंडल, मंगलसूत्र और पाजेब लेकर गई है। वह घर के दो मोबाइल फोन भी ले गई।

वहीं, थाना हाइवे के चंदनवन फेस–1 निवासी एक व्यक्ति ने थाने में दी शिकायत में बताया कि वह अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनके साथ उनके बड़े बेटे, उसकी बेटी और उनकी पत्नी भी रहती हैं। 19 अगस्त को बेटा अपनी पत्नी के साथ अपने पैतृक गांव गए थे। उनका बेटा सुबह करीब 10 बजे ड्यूटी के लिए नर्सिंग होम चला गया था। उस समय घर पर उसकी 20 साल की बेटी मौजूद थी। दोपहर करीब दो बजे जब पुत्र और उनकी पत्नी गांव से वापस घर लौटे तो बेटी घर पर नहीं मिली। परिजनों ने उसके मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद परिवार ने संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की, मगर उसका कोई पता नहीं चल पाया।

चंदनवन से 20 वर्षीय युवती लापता, हाईवे थाने में गुमशुदगी दर्ज

तेज रफ्तार कैंटर ने ई–रिक्शा में मारी टक्कर, चालक गंभीर घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में मंडी चौकी के पास तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाए जा रहे कैंटर ने सामने से आ रहे ई–रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में ई–रिक्शा चालक गंभीर घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई गई है। मामले में ई–रिक्शा चालक के भाई नियाज मौहम्मद की तहरीर पर थाना हाईवे पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नियाज मौहम्मद निवासी आनन्द बिहार कॉलोनी, रांची बांगर, रिफाइनरी ने बताया कि उनका भाई मुन्ना खान 24 अगस्त को शाम करीब चार बजे ई–रिक्शा लेकर टाउनशिप से मंडी चौराहे की ओर जा रहा था। जैसे ही वह मंडी चौकी के पास पहुंचा, सामने से आ रहे कैंटर के चालक ने वाहन को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए ई–रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ई–रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया और उसे चला रहे मुन्ना खान गंभीर घायल हो गए। रिपोर्ट में कैंटर चालक का नाम पता नहीं चल सका है। पुलिस हादसे के कारणों और वाहन चालक की भूमिका की जांच कर रही है।

तेज रफ्तार कैंटर ने ई रिक्शा में मारी टक्कर चालक गंभीर घायल

हाइवे पर स्कार्पियो में लगी आग चालक ने कूद कर बचाई जान

यूनिक समय, मथुरा। थाना रिफाइनरी क्षेत्र स्थित बरारी गांव के समीप हाइवे पर मंगलवार रात एक स्कार्पियो गाड़ी में अचानक आग लग गई। चालक ने तुरंत गाड़ी से कूद कर जान बचाई। देखते ही देखते वाहन धूंधू कर जल गया।

बताया गया कि बीती रात हाइवे पर जाती एक स्कार्पियो कार में अचानक आग लग गई। चालक ने कार के इंजन से उठती आग को देख कर तुरंत गाड़ी को रोक कर नीचे कूद कर जान बचाई। कुछ ही देर में स्कार्पियो कार से आग की तेज लपटें उठने लगी।

फायर ब्रिगेड को भी फोन किया मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू किया, लेकिन उस समय तक स्कार्पियो पूरी तरह जल चुकी थी।

फरह निवासी चिकित्सक की दुर्घटना में मौत

यूनिक समय, मथुरा। फरह के चिकित्सक की बाइक में मथुरा से लौटते समय बाद रेलवे पुल के समीप किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में घायल चिकित्सक की देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई।

बताया गया कि फरह में क्लीनिक चलाने वाले चिकित्सक प्रेम सिंह मंगलवार की सायं बाइक से किसी काम से मथुरा गए थे। मथुरा से लौटने के दौरान अचानक बाद रेलवे पुल के समीप किसी तेज रफ्तार से आते ट्रक ने चिकित्सक की बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक को मौके से भगा ले गया। दुर्घटना को देख कर वहां काफी लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। पुलिस को भी दुर्घटना के बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची रिफाइनरी पुलिस ने घायल चिकित्सक को स्वर्ण जंयती हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हालत में सुधार न आने पर स्वर्ण जयंती हॉस्पिटल से उन्हें फरह के रामा हॉस्पिटल के लिए रैफर कर दिया गया। बताया गया कि देर रात चिकित्सक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चिकित्सक की मौत से परिवार और कस्बे के लोगों में भी शोक व्याप्त है।

धार्मिक राखियों की ऑनलाइन मांग ने पकड़ी रफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन का पर्व नजदीक आते ही राखियों का बाजार सज गया है। बाजारों में पारंपरिक और आकर्षक राखियों की बिक्री बढ़ी है, वहीं ऑनलाइन खरीदारी में भी तेजी देखी जा रही है। इस बार धार्मिक महत्व से जुड़ी राखियां बहनों की विशेष पसंद बनी हुई हैं। रुद्राक्ष, करुंगली और विभिन्न धार्मिक प्रतीकों वाली राखियों की मांग लगातार बढ़ रही है।

ऑनलाइन धार्मिक खरीदारी करने वाली बहनों का रुझान ऐसी राखियों की ओर अधिक है, जिनमें भाई के प्रति प्रेम के साथ आध्यात्मिक आस्था भी जुड़ी हो। रुद्राक्ष वाली राखियों को शुभ और धार्मिक प्रतीक के रूप में पसंद किया जा रहा है। करुंगली की राखियों की भी मांग बनी हुई है। कई खरीदार पारंपरिक धागे की जगह ऐसी राखियां चुन रहे हैं, जिन्हें रक्षाबंधन के बाद भी धारण किया जा सके।

आनलाइन बिक्री को उपलब्ध राखियां।

ऑनलाइन बाजार में धार्मिक राखियों के कई प्रकार उपलब्ध हैं। इनमें अलग-अलग आकार, रंग और डिजाइन के साथ रुद्राक्ष और अन्य धार्मिक सामग्री का प्रयोग किया गया है। इसके अलावा राशि के आधार पर तैयार की गई राखियां भी खरीदारों का ध्यान खींच रही हैं। भाई की राशि के अनुसार राखी चुनने का विकल्प मिलने से बहनों में उत्साह बढ़ा है।

ऑनलाइन खरीदारी का एक बड़ा लाभ यह है कि घर बैठे अलग-अलग प्रकार की राखियों की तुलना की जा सकती है। राखी के साथ उसकी धार्मिक मान्यता और विशेषताओं की

रुद्राक्ष और राशि आधारित राखियां बनीं बहनों की पसंद

जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। इससे खरीदार अपनी पसंद और विश्वास के अनुसार राखी का चयन कर रहे हैं।

व्यापारियों का मानना है कि रक्षाबंधन तक धार्मिक राखियों की मांग और बढ़ सकती है। आने वाले दिनों में ऑनलाइन विक्रेता नए डिजाइन और धार्मिक सामग्री वाली राखियों के विकल्प बढ़ाने की तैयारी में हैं। इस बार रक्षाबंधन पर पारंपरिक राखियों के साथ धार्मिक राखियों का चलन भी तेजी से बढ़ता नजर आ रहा है।

मथुरा जंक्शन पर 19.53 करोड़ से बनेगा यात्री होल्डिंग एरिया

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन पर यात्रियों की सुविधा और भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए तृतीय प्रवेश द्वार पर यात्री होल्डिंग एरिया का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। करीब 19.53 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह होल्डिंग एरिया लगभग 4140 वर्गमीटर क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है। इसके तैयार होने के बाद यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर जाने से पहले ठहरने की सुविधा मिलेगी।

मथुरा जंक्शन पर यात्रियों की बड़ी संख्या में आवाजाही रहती है। वहीं पर्व-त्योहार, अवकाश और

मथुरा-जंक्शन पर बन रहे होल्डिंग एरिया का दृश्य।

विशेष अवसरों पर यात्रियों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे

4140 वर्गमीटर में विकसित हो रहा क्षेत्र त्योहारों और विशेष अवसरों पर भीड़ प्रबंधन में मिलेगी मदद

समय में प्लेटफॉर्म और स्टेशन के प्रवेश और निकास क्षेत्रों में भीड़ बढ़ने की संभावना रहती है। इसे देखते हुए रेलवे की ओर से होल्डिंग एरिया तैयार किया जा रहा है।

होल्डिंग एरिया बनने के बाद यात्रियों को ट्रेन आने से पहले प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक रूप से भीड़ लगाने की जरूरत नहीं होगी। यात्रियों को चरणबद्ध तरीके से प्लेटफॉर्म पर भेजा जा सकेगा। परियोजना के तहत शेड के फाउंडेशन समेत सिविल कार्य, करीब 460 वर्गमीटर क्षेत्रफल में शौचालय ब्लॉक, विद्युत कार्य, सिग्नल और दूरसंचार व्यवस्था, प्लंबिंग सहित अन्य जरूरी कार्य किए जा रहे हैं। इसके अलावा टिकट काउंटर, डिस्प्ले बोर्ड, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, सीसीटीवी और फर्नीचर जैसी सुविधाओं को भी जरूरत के अनुसार व्यवस्थित किया जाएगा।

झांसी जंक्शन पर ट्रैक निर्माण से ट्रेनों के संचालन में बदलाव

यूनिक समय, मथुरा। वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर गिट्टी रहित ट्रैक (बैलेस्ट लेस ट्रैक) का निर्माण कार्य किया जाएगा। उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल में यह काम 20 नवंबर से 29 दिसंबर तक पूरा किया जाना है। निर्माण कार्य के चलते मथुरा होकर चलने वाली कुछ ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों को आंशिक रूप से समाप्त और प्रारंभ किया जाएगा। गाड़ी संख्या 12410 हजरत निजामुद्दीन-रायगढ़ गोंडवाना एक्सप्रेस 21 नवंबर से 29 दिसंबर तक मथुरा जंक्शन से झांसी और बीना होकर जाने के बजाय मथुरा-बयाना-सोगरिया-रुठियाई-बीना मार्ग से चलेगी।

इसी तरह गाड़ी संख्या 12406 हजरत निजामुद्दीन-भुसावल गोंडवाना एक्सप्रेस 20 नवंबर से 27 दिसंबर तक मथुरा-झांसी-बीना मार्ग

मथुरा से जाने वाली गोंडवाना एक्सप्रेस के मार्ग में होगा परिवर्तन, ताज एक्सप्रेस और खजुराहो-उदयपुर एक्सप्रेस का संचालन भी प्रभावित

के स्थान पर मथुरा-बयाना-सोगरिया-रुठियाई-बीना मार्ग से संचालित होगी। गाड़ी संख्या 12279 और 12280 ताज एक्सप्रेस का संचालन 20 नवंबर से 29 दिसंबर तक झांसी के बजाय ग्वालियर जंक्शन पर ही समाप्त और प्रारंभ किया जाएगा। इससे झांसी की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी हो सकती है। गाड़ी संख्या 19665 खजुराहो-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस 21 नवंबर से 30 दिसंबर तक और गाड़ी संख्या 19666 उदयपुर सिटी-खजुराहो एक्सप्रेस 19 नवंबर से 28 दिसंबर तक दतिया स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट और प्रारंभ की जाएगी।

वृंदावन में घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी का मामला सामने आया है। बरहरा बांगर से चोर घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया। पीड़ित नवरत्न ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 10 अगस्त की सुबह करीब 8:42 बजे उसकी मोटरसाइकिल हरे कृष्णा आश्रम, रुक्मणी विहार स्थित कान्हा माखन पब्लिक स्कूल के सामने खड़ी थी। इसी दौरान किसी अज्ञात चोर ने मोटरसाइकिल चोरी कर ली। कुछ समय बाद मोटरसाइकिल नहीं मिलने पर पीड़ित ने आसपास काफी तलाश की और स्थानीय लोगों से भी जानकारी की, लेकिन बाइक का कोई पता नहीं चल सका।

बच्चों के झगड़े में पड़ोसी ने बच्चे को सड़क पर पटका

यूनिक समय, मथुरा। थाना बरसाना का चेन थोक मौहल्ले में बच्चों के बीच हुए विवाद के बाद एक पड़ोसी ने घर के बाहर खेल रहे बच्चे के पैर खींच कर जमीन पर पटक दिया, जिससे बच्चा बुरी तरह से घायल हो गया। बच्चे की मां ने पुलिस में तहरीर दी है।

गंभीर चोट आने पर बच्चे को हॉस्पिटल में कराया भर्ती, मां ने दी थाना में तहरीर

बरसाना के चेन थोक मौहल्ले में रहने वाले राजू के बेटे के साथ पड़ोस में रहने वाले गुड्डू का बेटा नीरज(7) के साथ घर के बाहर खेल रहा था। खेल ने के दौरान दोनों में विवाद हो गया। इसके बाद दोनों अपने घर चले गए। बताया गया कि किसी ने राजू के घर बाहर पटाखा चला दिया। इसे लेकर राजू हंगामा करने लगा। राजू को आस-पास के लोगों ने समझा कर शांत कराया। कुछ देर बाद राजू फिर से घर के बाहर आ गया। राजू ने घर के बाहर खेल रहे नीरज को पैरों से खींच कर उठाया और सड़क पर पटक दिया। इसके चलते नीरज के सिर और शरीर के अन्य भागों में गंभीर चोट आई। आज प्रातः नीरज की मां ने थाना पहुंचकर बच्चे को पटकने के मामले में राजू के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

40 लाख से बनेगी पंचवटी की सड़क, पार्षद ने किया शुभारंभ

पंचवटी में सड़क निर्माण के लिए पूजन करते पार्षद राकेश भाटिया और अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। वार्ड 36 जयसिंहपुरा की पंचवटी कॉलोनी के वाशिंदों को आवागमन अब सुलभ हो सकेगा। ऊबड़-खाबड़ हो रही सड़क का विधि विधान से नारियल फोड़कर पार्षद-कैबिनेट सदस्य राकेश भाटिया ने शुभारंभ किया।

बुधवार को पंचवटी में सड़क का शुभारंभ करने पहुंचे पार्षद-कैबिनेट सदस्य राकेश भाटिया का स्थानीय लोगों ने माला और दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। गिरधारी लाल पंडित ने पूजा-अर्चना करवाई। पार्षद ने समाजसेवी राजकुमार गौतम और नरेश एडवोकेट के संग नारियल फोड़कर सड़क का शुभारंभ किया। पार्षद ने बताया कि करीब 40 लाख रुपये से इस सड़क और नालियों का निर्माण किया जाएगा। सड़क के निर्माण से लोगों को आवागमन में राहत मिल सकेगी। इस मौके कृष्ण गोपाल सारस्वत, मुरारी ठाकुर, राजेंद्र अग्रवाल, आशु खंडेलवाल, ज्ञान नारायण अग्रवाल, राकेश मुंजाल, सनी ठाकुर, सत्यनारायण शर्मा, दाऊ दयाल शर्मा, सचिन अग्रवाल, ताराचंद, विपिन गर्ग, अखिल गर्ग, गौरव गौड़ और मोहन लाल पंडित आदि मौजूद रहे।

आंवला सुल्तानपुर में कीचड़, अर्थी लेकर फिसले ग्रामीण

फरह ब्लाक के गांव आंवला सुल्तानपुर में कीचड़ में फंसे ट्रैक्टर।

श्मसान घाट के लिए कीचड़ से होकर अर्थी लेकर जाते ग्रामीण।

यूनिक समय, रिफाइनरी। फरह विकासखंड की ग्राम पंचायत आंवला सुल्तानपुर में जलभराव और कीचड़ से ग्रामीणों का जीवन मुश्किल हो गया है। गांव की गलियों के साथ श्मशान घाट जाने वाले मुख्य रास्ते पर करीब 300 मीटर तक पानी और कीचड़ जमा है। बारिश के बाद हालात और खराब हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से समस्या बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से प्रभावी समाधान नहीं कराया गया।

श्मशान घाट जाने वाले रास्ते पर 300 मीटर तक जलभराव

ट्रैक्टर-ट्रॉली फंसी सिर पर लकड़ी-कंडे लेकर पहुंचे ग्रामीण

हालात की गंभीरता उस समय सामने आई, जब एक बुजुर्ग की अर्थी अंतिम संस्कार के लिए यमुना घाट स्थित श्मशान ले जाई जा रही थी। कीचड़ में रास्ता खराब होने के कारण अर्थी लेकर चल रहे परिजन फिसलकर गिर पड़े।

अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी और कंडे लेकर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली भी रास्ते में कीचड़ में फंस गई। इसके बाद ग्रामीणों ने लकड़ी-कंडे सिर पर रखकर श्मशान घाट तक पहुंचाए।

घटना के दौरान बाहर से आए रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजकुमार ने आरोप लगाया कि वह सैकड़ों ग्रामीणों के साथ विधायक पूरन प्रकाश से 20 से अधिक बार मिल चुके हैं। डीएम, सीडीओ और खंड विकास अधिकारी फरह को भी लिखित ज्ञापन दिया गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल निकासी और पक्के रास्ते का निर्माण कराने की मांग की है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को मिलेगी नि :शुल्क बस यात्रा

27 से 29 अगस्त तक माताओं,बहनों, बेटियों को सहयात्री सहित मुफ्त बस यात्रा

करीब 500 महिलाओं को साड़ी और मिठाई देकर किया सम्मानित

महिलाओं से संवाद करते मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण आदि।

यूनिक समय, मथुरा। महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सुविधा को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ी पहल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ करते हुए विशेष बसों को फ्लैग ऑफ किया। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में हुआ, जहां बड़ी संख्या में माताओं और बहनों ने देखा। जनपदस्तरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बताया कि योजना के तहत 60 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं को उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में निर्धारित व्यवस्था के अनुसार आजीवन निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी।

यह सुविधा बुजुर्ग महिलाओं के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सरकार की प्राथमिकता है। रक्षाबंधन पर 27 अगस्त की सुबह छह बजे से 29 अगस्त 2026 की मध्यरात्रि 12 बजे तक शुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। बुर्जग महिलाएं, बहनों को साड़ी-मिठाई वितरित कर सम्मानित किया गया। विधायक बल्देव पूरन प्रकाश, मेघश्याम सिंह, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता, महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, महिलाएं मौजूद रहीं।

हवन-पूजन के साथ संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ

संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम के दौरान हवन में शामिल आयोजक।

संस्कृत जागरूकता शोभायात्रा में गूंजे जयतु संस्कृतम, जयतु भारतम् के नारे

यूनिक समय, वृंदावन। श्रावण पूर्णिमा और विश्व संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृत भारती द्वारा 25 से 31 अगस्त तक संस्कृत सप्ताह मनाया जा रहा है। सप्ताह का शुभारंभ परिक्रमा मार्ग स्थित सोहम आश्रम में वैदिक विधि-विधान से हवन-पूजन के साथ हुआ। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी सत्यानंद और स्वामी गौरवानंद का सान्निध्य रहा।

हवन में संस्कृत भारती ब्रजप्रांत के मंत्री डॉ. धर्मेंद्र कुमार अग्रवाल, न्यास सचिव गंगाधर अरोड़ा, जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेंद्र नागर सहित सोहम आश्रम और केशव वेद विद्यालय के वेदपाठी विद्यार्थियों ने आहुति देकर विश्व कल्याण की कामना की। सभी ने संस्कृत सप्ताह को सफल बनाने का संकल्प लिया। संस्कृत भाषा के प्रति जनजागरूकता के उद्देश्य से अटल्ला चौराहा स्थित श्रीराम मंदिर से सोहम आश्रम तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। संस्कृत गीतों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मार्ग में स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। सोहम आश्रम में धर्मसभा के साथ शोभायात्रा का समापन हुआ। अध्यक्षता स्वामी सत्यानंद ने की। वक्ताओं ने संस्कृत को जनसाधारण तक पहुंचाने और युवाओं में भाषा के प्रति रुचि बढ़ाने की आवश्यकता बताई। संचालन आचार्य ब्रजेंद्र नागर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन रामदास चतुर्वेदी शास्त्री ने किया। धर्मसभा के प्रारंभ में डॉ. रविंद्र शर्मा और आचार्य सुधाकर द्विवेदी ने वैदिक और पौराणिक मंगलाचरण किया।

अटारी और अखनूर बार्डर के लिए छात्राएं रवाना

बस में सवार सैनिकों को रक्षा सूत्र बांधने के लिए जा रही छात्राएं।

सैनिकों की कलाइयों पर बांधेगी राखियां

यूनिक समय, वृंदावन। राष्ट्र सुरक्षा सूत्र समर्पण यात्रा-2026 के अंतर्गत समविद् गुरुकुलम बालिका सैनिक स्कूल से 200 बेटियों को 20 अध्यापिकाओं के साथ अटारी बॉर्डर और अखनूर बार्डर के लिए समविद की डायरेक्टर सुमन लता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ।

यात्रा को दो दलों में विभाजित किया गया है। एक दल में शामिल 100 बेटियों का एक दल अखनूर, जम्मू-कश्मीर वार्डर पूनम, जेपी पाठक के नेतृत्व और दूसरा 100 बेटियों का दल सुमित जयसवाल के नेतृत्व में अध्यापिकाओं के साथ अटारी वार्डर, पंजाब गया है। इसके साथ ही 27 अगस्त को 70 बेटियां राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास, रक्षा मंत्रालय, वार मैमोरियल जाएंगी, जबकि 75 बेटियों का दल मथुरा कैंट के सैनिकों के राखियां बांधेगी।

बार्डर जाने वाली बेटियों उत्साह देखते बनता था वन्देमातरम, भारत माता के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो रहा था। दीदी मां ने अपना आशीर्वाद देते हुए कहा कि देश के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले वीर जवानों के प्रति कृतज्ञता, सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना व्यक्त करने का एक पावन अवसर है।

नव प्रवेशित विद्यार्थियों को मिली विश्वविद्यालय की जानकारी

वेटेरिनरी विवि में आयोजित अभिमुखीकरण कार्यक्रम में में कुलपति डा. अभिजीत मित्रा।

अभिमुखीकरण कार्यक्रम में कुलपति ने अनुशासन, नैतिकता और सेवा भावना पर दिया जोर

यूनिक समय, मथुरा। पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान एवं गो-अनुसंधान संस्थान विवि में नव प्रवेशित स्नातक विद्यार्थियों के लिए मंगलवार को दीन दयाल सभागार में अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, संस्थागत मूल्यों, सुविधाओं, अध्ययन संबंधी अपेक्षाओं और उपलब्ध अवसरों से परिचित कराना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा ने की। उन्होंने नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, अनुशासन, जिम्मेदारी, करुणा और समाज सेवा की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर है। कुलपति ने विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक-आधारभूत सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने नियमित अध्ययन, समय की पाबंदी, नैतिक आचरण, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और निरंतर सीखने को सफलता का आधार बताया। साथ ही पशु चिकित्सकों की भूमिका को पशु स्वास्थ्य के अलावा पशु कल्याण, खाद्य सुरक्षा, जनस्वास्थ्य और ग्रामीण विकास से भी जोड़ा।

कार्यक्रम में कुलसचिव, विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, वित्त अधिकारी और अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक-प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी दी। पुस्तकालयाध्यक्ष ने पुस्तकालय संसाधनों, जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के समन्वयक ने विद्यार्थियों को सामाजिक सेवा, अनुशासन और नेतृत्व गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर 29 और 30 अगस्त को होंगी खेल प्रतियोगिताएं

यूनिक समय, मथुरा। खेल निदेशालय के तत्वावधान में जिला खेल कार्यालय, स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस पर 29 और 30 अगस्त को विभिन्न खेल गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' की भावना संदेश के साथ आयोजित किया जाएगा।

29 अगस्त को प्रातः 9 बजे से जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। जिसमें अंडर-14 बालिका वर्ग की जूडो प्रतियोगिता 28, 28-32, 32-36, 36-40 और 40-44 किलोग्राम भार वर्ग में होगी। अंडर-14 बालक वर्ग में कुश्ती प्रतियोगिता 30-35, 35-38, 38-41, 41-44 और 44-48 किलोग्राम भार वर्ग में आयोजित की जाएगी। इसके अलावा अंडर-14 बालक वर्ग की हॉकी प्रतियोगिता भी होगी। 30 अगस्त को प्रातः 7:30 बजे खेलो इंडिया फिट इंडिया साइकिल रैली आयोजित की जाएगी। जिले के विद्यालयों और क्लबों के खिलाड़ी जो इन प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहते हैं, वे अपने खिलाड़ियों के नाम, पिता का नाम, पता और जन्मतिथि प्रमाण पत्र विद्यालय के लेटरहेड पर 27 अगस्त से पहले जिला खेल कार्यालय, स्टेडियम मथुरा में जमा करा सकते हैं। उप क्रीडा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि खिलाड़ी की आयु 31 दिसंबर 2026 को 14 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। अधिक जानकारी के लिए हॉकी के लिए शैलेष यादव (8004221544), कुश्ती प्रतियोगिता के लिए विनोद यादव (7985317283) और जूडो के लिए देवेंद्र सिंह (7906836323) से संपर्क कर सकते है।

राजीव एकेडमी में वित्तीय योजना पर कार्यशाला आयोजित

विद्यार्थियों ने सीखे बचत और निवेश के गुर

विद्यार्थियों को निवेश, बचत और वित्तीय अनुशासन के तौर-तरीके बताते डॉ. पराग गौतम।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में एमबीए और एमसीए तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए डिजिटल युग में वित्तीय योजना विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के प्रमाणित प्रशिक्षक डॉ. पराग गौतम ने विद्यार्थियों को निवेश, बचत और वित्तीय अनुशासन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

डॉ. पराग गौतम ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि केवल पैसा कमाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि धन का सही प्रबंधन करना भी जरूरी है। उन्होंने आय और व्यय में संतुलन, बजट तैयार करने, नियमित बचत करने और अनावश्यक कर्ज से बचने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को कम उम्र से ही बेहतर वित्तीय आदतें विकसित करने की सलाह दी।

डॉ. गौतम ने व्यवस्थित निवेश योजना, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और अन्य निवेश विकल्पों की मूलभूत जानकारी सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाई। उन्होंने दीर्घकालिक वित्तीय योजना, बीमा, जोखिम प्रबंधन और महंगाई के प्रभावों पर भी प्रकाश डाला। विद्यार्थियों के साथ विभिन्न गतिविधियां कराकर वित्तीय निर्णय लेने की समझ विकसित की गई।

उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान, एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया और सेबी की आधिकारिक वेबसाइटों सहित वित्तीय गणना उपकरणों की जानकारी भी दी। संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में अकादमिक ज्ञान के साथ वित्तीय साक्षरता भी जरूरी है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को जिम्मेदार और आत्मनिर्भर नागरिक बनने में सहायता करते हैं।

चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ जीवनोपयोगी कौशल देने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यशाला के अंत में विद्यार्थियों ने निवेश और वित्तीय योजना से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनके विशेषज्ञ ने विस्तार से उत्तर दिए।

बांकेबिहारी को राखियां भेजने वाली बहनों को भेजा जाए उपहार

यूनिक समय, वृंदावन। जन-जन के आराध्य ठाकुर बांकेबिहारी के वरिष्ठ सेवायत इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी ने अपनी दशकों पुरानी मांग दोहराते हुए मंदिर की हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी से आग्रह किया है कि रक्षाबंधन पर्व पर अपने बांके भैया के स्वरूप ठाकुर बांकेबिहारी को राखी भेजने वाली सभी धर्मबहनों को मंदिर प्रबंधन की ओर से वापसी उपहार (रिटर्न गिफ्ट) भेजा जाए। इसमें आराध्य का आशीर्वाद रूपी कृपापत्र संदेश सहित तथा संभव प्रसाद आदि होना चाहिए। इससे सेवा भेजने वालों को सामग्री के सही हाथों में पहुंचने की जानकारी के साथ आराध्यप्रभु का शुभाशीष प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा कि पिछले रक्षाबंधन पर ठाकुर बांकेबिहारी की 20 हजार से भी अधिक धर्मबहनों ने राखी – पाती, अनेक उपहार भेजे थे, इनमें मंदिर कमेटी और सेवायतों के पास औसतन आधे आधे भेजे गए थे। इस बार इनकी संख्या में और ज्यादा बढ़ोत्तरी होने की संभावना है।

इतिहासकार प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी के अनुसार, हर साल रक्षाबंधन पर मंदिर कार्यालय में हजारों राखियां, पातियां और विभिन्न तरह के उपहार पहुंचते हैं। इनमें सोने, चांदी, रेशम और नोटों की राखियाँ शामिल होती हैं, परंतु किसी को भी जवाबी सूचना तक नहीं मिलती। कमेटी का दायित्व है कि भगवान के लिए आने वाली सभी तरह की राखियां, उपहार और पत्रों को सूचीबद्ध करके सभी को जवाबी पत्र या व्हाट्सअप के माध्यम से सेवा प्राप्ति की सूचना देकर संतुष्ट करना चाहिए।

डाकिया बीमार हैं, डाकखाने से ले जाओ राखियां

यूनिक समय, वृंदावन। भैया को डाक विभाग से बड़ी उम्मीद होती है कि बहनों द्वारा भेजी गई राखी समय पर मिल जाएं। हैरानी की बात तो वृंदावन पोस्ट आफिस में राखी वाले लिफाफे भैया तक पहुंचाने के लिए अलग ही सिस्टम लागू कर रखा है। हेलो, मैं वृंदावन पोस्ट आफिस से बोल रहा हूं... आपकी राखी का लिफाफा यहां आ गया है। आप राखी लेने आ जाओ। साथ ही कहा जाता है कि इसकी वजह है डाकिया बीमार है। इस फोन के बाद बड़ी संख्या में भैया अपनी बहन की राखियां लेने के लिए पोस्ट आफिस पहुंच रहे है। वह राखियों के महत्व को समझ रहे हैं। कई–कई किलो मीटर दूर से पोस्ट आफिस पहुंचकर राखियों के लिफाफे को लेकर आ रहे हैं। हालांकि लोग डाक विभाग के इस तरह के निर्णय का विरोध जता रहे हैं। कह रहे है कि यदि डाकिया बीमार है तो किसी दूसरे व्यक्ति को भेजकर राखियों के लिफाफों का वितरण कराना चाहिए। यदि डाकिया बीमार है तो रजिस्ट्रियां, पार्सलों का वितरण नहीं हो रहा होगा। इस बात की जांच जरुर होनी चाहिए।

प्लॉट दिलाने के नाम पर महिला से 59.47 लाख रुपये ठगे

ठगी करने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय,चौमुहां। प्लॉट दिलाने के नाम पर एक महिला से 59.47 लाख रुपये लेने और बाद में प्लॉट की रजिस्ट्री किसी अन्य के नाम कराने का मामले में महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बिजनौर जिले के हल्दौर थाना क्षेत्र की रहने वाली दीप्ति ने शिकायत में कहा है कि वह धार्मिक कार्यों के सिलसिले में वृंदावन आती–जाती रहती हैं।

इसी दौरान 10 जनवरी 2025 को उनकी मुलाकात रंगजी की छोटी छावनी वृंदावन निवासी चंद्रहास सोनी से हुई। आरोप है कि चंद्रहास ने उन्हें धौरेरा बांगर स्थित 183 वर्ग गज का आवासीय प्लॉट दिखाया और 56 लाख रुपये में सौदा तय किया। इसके बाद रजिस्ट्री समेत अन्य खर्चों के नाम पर भी रकम ल ली। 59.47 लाख रुपये लिए, जाने के बाद भी प्लॉट की रजिस्ट्री नहीं की। संबंधित प्लॉट की रजिस्ट्री आरोपी ने अपने नाम करा ली है। रुपये वापस मांगने पर धमकी भी दी गई। मामले में जैत थाने में एफआईआर दर्ज की गई।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि आंदोलन से जुड़ेंगे नई पीढ़ी के युवा

वृंदावन में कार्यक्रम के दौरान युवाओं को सौंपी मशाल, व्यापक जनभागीदारी का आह्वान

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मूल गर्भगृह स्थल पर मंदिर निर्माण की मांग को लेकर चल रहे अभियान को नई पीढ़ी से जोड़ने के उद्देश्य से बुधवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के आह्वान पर राधाकृष्ण कृपा धाम में हुए कार्यक्रम में साधु–संतों के साथ युवा, महिलाएं, किसान, चिकित्सक, अधिवक्ता और सामाजिक–धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

न्यास अध्यक्ष एवं हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने जेन जी के युवाओं को मशाल सौंपते हुए कहा कि नई पीढ़ी को सनातन परंपरा, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत की जानकारी लेकर अपनी भूमिका तय करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं को अभियान से जोड़ने की शुरुआत है।

वक्ताओं ने कहा कि मंदिर निर्माण की मांग को लेकर कानूनी प्रक्रिया के साथ जनजागरण भी जारी रहेगा। अध्यक्षता संत गोविंदानंद तीर्थ ने की। संतों ने युवाओं से अभियान में सहभागी बनने और सामाजिक स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

गुलाबी मखमली हिंडोले में विराजे राजाधिराज, भक्तों को दिए दर्शन

मखमली हिंडोले में विराजमान राजाधिराज।

यूनिक समय, मथुरा। पुष्टिमार्ग संप्रदाय के प्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में सावन मास में बुधवार को राजाधिराज गुलाबी मखमली हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए। इस दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने एक झलक पाकर मंदिर जयकारों से गूंज उठा। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रम मंदिर के गोस्वामी वागीश कुमार द्वारा किया जाता है। उन्होंने बताया कि पूरे सावन मास में राजाधिराज अलग–अलग हिंडोले,घटाओं में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देते है। गुरवार को संध्या उद्यापन के दर्शन शाम पांच बजे से खुलेंगे। इसके बाद शयन के दर्शन शाम सात बजे से रात आठ बजे तक सफेद घटा में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

शिवानी आत्महत्या मामले में रिपोर्ट दर्ज

पिता, चाचा और बुआ सहित चार को किया नामजद

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा के गांव नगला छत्तरी (बछगांव) में युवती द्वारा फांसी लगा कर आत्महत्या करने के मामले में मृतका के नाना ने उसके पिता, चाचा, बुआ और उसके बेटे के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गांव शेरावाली तहसील जनूथर थाना जनूथर जिला डीग राजस्थान निवासी रघुवीर सिंह ने पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में कहा है कि उसके भाई की बेटी नीतू की शादी गांव छत्तरी निवासी यदुवीर से हुई थी। दो साल से नीतू और यदुवीर के बीच झगड़ा चल रहा है। नीतू अपने मायके में रह रही है। उसकी बेटी शिवानी (21) अपने पिता का पास रह रही थी। शिवानी अपनी मां से मिलना चाहती थी। पिता और चाचा रमेश शिवानी को मां से मिलने का विरोध करते थे। इसके साथ शिवानी की बुआ और उनका बेटा भी शिवानी के खिलाफ थे। शिवानी को मां से बात तक नहीं करने देते थे। दूसरों के फोन से शिवानी मां को फोन कर अपने साथ होने वाले उत्पीड़न के बारे में बताती थी। इसके चलते शिवानी ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली।

आई.ओ.पी. महाविद्यालय में लगा एचआईवी जागरूकता शिविर

यूनिक समय, वृंदावन। आई.ओ.पी. महाविद्यालय परिसर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से एचआईवी-एड्स जागरूकता शिविर लगाया। महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं, प्राध्यापकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से आए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि एचआईवी-एड्स जैसी बीमारी से बचाव का एकमात्र उपाय केवल और केवल सही जानकारी और सतर्कता है । हमें इस बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों से भेदभाव या सामाजिक दूरी बनाने के बजाय उनके प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. पीके सारस्वत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कहा कि युवा देश के भविष्य हैं, इसलिए उनका शारीरिक और मानसिक रूप से जागरूक होना बेहद जरूरी है। इस अवसर पर प्रो. सरला शर्मा, प्रो. अनंत कुमार यादव, प्रो. योगेन्द्र पाल सिंह सोलंकी, प्रो. संजय कुमार सिंह, प्रो. दीपिका वर्मा, डॉ. के.एल. अग्रवाल, डॉ. वीरेंद्र कुमार शर्मा, डॉ. विवेक शर्मा, सुनीत शुक्ला, डॉ. अनुज कुमार, मृदुला पांडेय, पवित्र गोस्वामी, धर्मेंद्र कुमार, सुभाष कृष्ण सरकार और सौरभ कुलश्रेष्ठ उपस्थित थे।

छाता शुगर मिल को चालू कराने की मांग

गांव अलवाई में हुई बैठक में ग्रामीण को समझाते पूर्व सैनिक।

यूनिक समय, छाता। बंद पड़ी छाता शुगर मिल को चालू कराने की मांग को लेकर छिड़ा आंदोलन अब गांव–गांव पहुंच गया है। बुधवार को क्षेत्र के ग्राम अलवाई में ग्रामीणों की बैठक हुई। इसमें पूर्व सैनिक ललित कर्मयोगी ने ग्रामीणों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। पूर्व सैनिक कहा कि अपना हक और अधिकार मांगने में किसी को शर्म नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, वीरों को हमेशा आगे बढ़ना चाहिए। जो निष्क्रिय है, वह कुछ नहीं कर सकता, लेकिन आप तो जीवंत और सक्षम हैं। अगर हम सभी का एकजुट समर्थन मिले, तो छाता की यह बंद पड़ी चीनी मिल अवश्य चालू होगी। बैठक में शंकर प्रधान, रम्मी, पप्पू पहलवान, जगदीश, भंवर, रामचरन, जीतो, त्रिलोकी, मधुर, मोहन, कल्याण, निहाली, वेदों, बच्चू, नेमसिंह, हरीसिंह, निरोत, शोभाराम, विरजी, यादराम, मुन्ना, पूरन आदि उपस्थित थे।

महिला अस्पताल में जलभराव और गंदगी से मरीज परेशान

अल्ट्रासाउंड के पास भरा रहता है पानी, एसएनसीयू के पास भी गंदगी और टूटी टाइल्स से भी परेशानी

यूनिक समय, मथुरा। स्वास्थ्य विभाग लोगों को साफ–सफाई रखने और बीमारियों से बचने के लिए जागरूक करता है। इसके लिए रैलियां और जागरूकता अभियान भी चलाए जाते हैं, लेकिन जिला महिला चिकित्सालय में ही सफाई और जलभराव की स्थिति ठीक नहीं है। अस्पताल में महिला अल्ट्रासाउंड केंद्र के पास कई जगह पानी भरा हुआ है। वहीं एसएनसीयू वार्ड के पास भी गंदगी पड़ी रहती है। इससे मरीजों और उनके साथ आने वाले लोगों को परेशानी हो रही है।

महिला अल्ट्रासाउण्ड,पैथोलॉजी के पास पानी भरा हुआ, एसएनसीयू वार्ड के पास गंदगी का हाल ।

महिला अल्ट्रासाउंड केंद्र के पास पानी जमा होने की समस्या काफी समय से बनी हुई है। बारिश के बाद यहां स्थिति और खराब हो जाती है। मरीजों को यही डर लगता कहीं मच्छर तो नहीं पनप रहे है। वैसे ही वायरल चल रहा है। इससे फिसलने और गंदगी के कारण बीमारी फैलने का डर भी बना रहता है। इसके बावजूद संबंधित अधिकारी इस समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड के पास भी गंदगी पड़ी रहती है। बरामदे की टाइल्स टूटी हुई हैं। काफी समय बीतने के बाद भी इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। अस्पताल में आने वाले मरीज और तीमारदार इन समस्याओं से परेशान हैं।

मरीज के साथ आए कमल सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग लोगों को साफ–सफाई और बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक करता है। लेकिन अस्पताल में ही पानी भरा रहेगा और गंदगी पड़ी रहेगी तो लोगों को क्या संदेश जाएगा। पवन कुमार ने बताया कि अल्ट्रासाउंड के पास ज्यादातर समय पानी भरा रहता है। मरीजों को आने–जाने में परेशानी होती है। कई बार इस जगह से निकलना भी मुश्किल हो जाता है। लोगों का कहना है कि क्या संबधित अधिकारी निरीक्षण नहीं करते है। खराब टाइल्स की भी मरम्मत कराई जाए।

संगठन सृजन अभियान में चौमुंहा और गोवर्धन में हुई बैठक

यूनिक समय, मथुरा। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के द्वितीय चरण में तीसरे दिन चौमुंहा और गोवर्धन ब्लॉक की बैठक को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की राष्ट्रीय सचिव- मथुरा जनपद की मुख्य पर्यवेक्षक ने संबोधित किया। मथुरा के चार दिवसीय दौरे पर आई अखिल भारतीय कांग्रेस कमटी राष्ट्रीय महासचिव- मथुरा जनपद के मुख्य पर्यवेक्षक डॉ. अंजलि निम्बालकर ने अभियान के तीसरे दिन चौमुंहा,गोवर्धन ब्लॉक में महत्वपूर्ण बैठक की और ब्लॉक व बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद किया। डॉ. निम्बालकर ने ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों, न्याय पंचायत अध्यक्षों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ एक–एक कर व्यक्तिगत की। उन्होंने संगठन के विस्तार, जमीनी स्तर की चुनौतियों और आगामी रणनीतियों पर चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं का फीडबैक लिया। कोऑर्डिनेटर शिवराम वाल्मीकि, प्रतिमा सिंह ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। बैठक में संकल्प लिया गया कि चौमुंहा, गोवर्धन ब्लॉक में संगठन को हर स्तर पर सक्रिय और मजबूत बनाया जाएगा। संचालन त्रिनेत्र भारद्वाज ने किया। बैठक में जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि, मनोज गौड़, नरेंद्र शर्मा, रतेंद्र सिंह, केशव सिंह, बनवारी चौधरी, हुब्बलाल, बलवीर प्रधान, दीपक सिंह, भगवान सिंह, राजा गौतम, पंकज चौधरी, उमेश शर्मा, विपुल पाठक, हाकिम सिंह छोकर, अजय कुमार, दीपक कौशिश, राजेश कुमार सहित आदि कांग्रेस जन उपस्थित थे।

सुविचार

"चलते रहो, क्योंकि मंजिल उन्हीं को मिलती है जो रास्तों से हारते नहीं।"

— दिनकर

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्दशी	07:59-09:09 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	घनिष्ठा	12:47-02:15 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		5:56 AM	चन्द्रोदय	06:20 PM
सूर्यास्त		6:46 PM	चंद्रास्त	05:51 AM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:46 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:19-05:07
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		01:57 PM: 03:33 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

विश्वास की चाबी से रोज खुलते हैं कारोबार के दरवाजे

यूनिक समय, मथुरा। ग्वालियर के लश्कर बाजार स्थित अचलेश्वर महादेव मंदिर में आस्था की अनोखी परंपरा आज भी कायम है। यहां कई व्यापारी रोज सुबह दुकान, शोरूम, कार्यालय या तिजोरी की चाबी लेकर पहुंचते हैं। जलाभिषेक और बेलपत्र चढ़ाने के बाद चाबी को भगवान की पिंडी से स्पर्श कराकर माथे से लगाते हैं। इसके बाद ही कारोबार की शुरुआत करते हैं।

सराफा बाजार, टोपी बाजार और महाराज बाड़े के कई व्यापारी वर्षों से इस परंपरा का पालन कर रहे हैं। व्यापारियों का मानना है कि बाबा के चरणों से स्पर्श कराई गई चाबी से दुकान या तिजोरी खोलने पर कारोबार में बरकत और स्थिरता बनी रहती है। कुछ व्यापारियों ने बताया कि यह परंपरा उनके परिवारों में पुरानी है, जबकि कई लोगों ने आसपास के कारोबारियों को देखकर इसे अपनाया।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

अचलेश्वर महादेव मंदिर की पहचान एक पुरानी मान्यता से भी जुड़ी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सिंधिया काल में सड़क निर्माण के दौरान यहां शिवलिंग मिला था। इसे हटाने की कोशिश की गई, लेकिन पिंडी अपनी जगह से नहीं हिली। मान्यता है कि मजदूरों के प्रयास विफल होने के बाद हाथियों से भी इसे खिंचवाया गया, फिर भी शिवलिंग नहीं हिला। खुदाई में उसका आधार काफी गहराई तक मिला।

इसके बाद शिवलिंग को उसी स्थान पर स्थापित रहने दिया गया और इसका नाम अचलेश्वर पड़ा।

मंदिर के पुजारी गौरव शर्मा के अनुसार, चाबी भगवान के चरणों से स्पर्श कराने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। व्यापारी इसे केवल पूजा नहीं, बल्कि अपने कारोबार की जिम्मेदारी भगवान को सौंपने का प्रतीक मानते हैं।

डिजिटल भुगतान और आधुनिक कारोबार के दौर में भी यह विश्वास नहीं बदला है। दुकान का शटर उठाने से

चाबी लेकर मंदिर पहुंचते हैं व्यापारी मांगते हैं बरकत

अचल शिवलिंग की कथा से जुड़ी है व्यापारियों की आस्था

पहले चाबी बाबा के चरणों से लगाना व्यापारियों के लिए आज भी शुभ शुरुआत मानी जाती है। मंदिर में लोग नई गाड़ी, संपत्ति और विवाह जैसे शुभ कार्यों से पहले भी आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं। इस तरह अचलेश्वर मंदिर में धार्मिक आस्था और व्यापारिक जीवन का अनूठा संगम देखने को मिलता है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

सावन पूर्णिमा पर करें पांच दान, दूर होंगे ग्रहण दोष

अन्न और चांदी का दान माना गया शुभ फलदायी

सफेद वस्त्र, शंख और जल का भी करें दान

यूनिक समय, मथुरा। सावन पूर्णिमा 28 अगस्त को मनाई जाएगी। इस दिन साल का अंतिम चंद्रग्रहण भी होगा, हालांकि यह भारत में दिखाई नहीं देगा। इसलिए यहां चंद्रग्रहण का सूतक मान्य नहीं होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ग्रहण के अवसर पर दान–पुण्य करने से मन को शांति मिलती है और शुभ फल प्राप्त होने की कामना की जाती है।

इस दिन अन्न का दान विशेष माना गया है। दूध, चावल, चीनी और दूध से बनी वस्तुएं जरूरतमंदों को दी जा सकती हैं। चांदी का दान भी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे चंद्रमा से

जुड़े दोषों की शांति और आर्थिक उन्नति की कामना की जाती है।

सफेद वस्त्र वृद्धाश्रम, अनाथालय या जरूरतमंद लोगों को दान किए जा सकते हैं। मंदिर में शंख अर्पित करना भी धार्मिक दृष्टि से शुभ माना गया है। इसके अलावा प्यासे लोगों को जल पिलाना या जल की व्यवस्था करना पुण्यकारी माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं में इन पांचों दानों का संबंध चंद्रमा से जोड़ा गया है। हालांकि, इन्हें आस्था और सामर्थ्य के अनुसार ही करना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दान दिखावे के लिए नहीं, बल्कि जरूरतमंद की सहायता और सेवा भावना से किया जाए।

संतोष की दौलत से जीवन में रहती है सुख शांति

यूनिक समय, मथुरा। एक गरीब किसान अपनी परेशानियों से बहुत दुखी था। एक दिन गांव में आए संत ने उसे मंत्र जपने की सलाह दी। किसान ने श्रद्धा से साधना शुरू की। कुछ दिनों बाद उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर देवी प्रकट हुईं और बोलीं कि वह मनचाहा वरदान मांग सकता है।

किसान ने अगले दिन वरदान मांगने की अनुमति ली। देवी के जाते ही उसके मन में इच्छाओं का सिलसिला शुरू हो गया। कभी उसे अच्छा घर चाहिए लगा, फिर जमींदार बनने की इच्छा हुई और उसके बाद राजा बनने का विचार आया। इन कल्पनाओं में वह इतना उलझा कि रातभर सो नहीं सका।

अगली सुबह देवी के सामने पहुंचकर किसान ने धन, घर या राजपाट मांगने के बजाय ऐसा वरदान

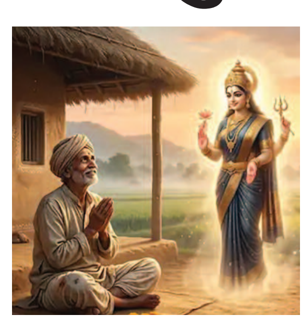

मांगा कि उसका मन हमेशा भगवान की भक्ति में लगा रहे और वह हर परिस्थिति में संतुष्ट रह सके।

देवी ने प्रसन्न होकर उसे वरदान दिया। किसान ने समझ लिया था कि इच्छाएं पूरी होने से पहले ही मनुष्य को बेचैन कर सकती हैं। इसलिए जीवन में आगे बढ़ने की कोशिश जरूरी है, लेकिन हर इच्छा को पूरा करने की जिद शांति छीन सकती है।

इस कथा की सीख आज के जीवन में भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

किसान ने धन नहीं, मांगा शांत और संतुष्ट मन

इच्छाओं पर नियंत्रण ही सच्ची समृद्धि का है आधार

जरूरत और इच्छा में अंतर समझना चाहिए। दूसरों से तुलना करने के बजाय अपनी प्रगति पर ध्यान देना चाहिए। परिवार, घर, भोजन और काम जैसी उपलब्ध चीजों के लिए आभार रखना चाहिए। लक्ष्य जरूर बनाएं, लेकिन वर्तमान की खुशियों को उनके पीछे न छोड़ें। संतोष का अर्थ रुक जाना नहीं, बल्कि प्रयास करते हुए मन की शांति बनाए रखना है।

कल का राशिफल

मेष: कल कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, नई जिम्मेदारी मिल सकती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वृषभ: कल व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे, परिवार का सहयोग रहेगा और पुराने निवेश से अच्छा फायदा मिलने की संभावना है।

मिथुन: कल महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे, अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपकी रचनात्मक सोच कार्यक्षेत्र में नई सफलता दिलाएगी।

कर्क: कल परिवार में सुखद वातावरण रहेगा, रुका धन मिल सकता है और किसी पुराने मित्र से महत्वपूर्ण मुलाकात होगी।

सिंह: कल कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी, नई जिम्मेदारी मिलेगी और मेहनत से आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे।

कन्या: कल व्यापारिक योजनाएं सफल होंगी, धन लाभ होगा और किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए बेहद उपयोगी रहेगी।

तुला: कल रिश्तों में मधुरता आएगी, नौकरी में नए अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक: कल कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, विरोधियों पर विजय पाएंगे और आर्थिक मामलों में समझदारी से निर्णय लेना लाभदायक रहेगा।

धनु: कल यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण अवसर मिल सकते हैं, व्यापार बढ़ेगा और परिवार में खुशी का वातावरण बना रहेगा।

मकर: कल धन संबंधी परेशानियां कम होंगी, कार्यों में सफलता मिलेगी और किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा।

कुंभ: कल सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, नई जिम्मेदारियां मिलेंगी और मेहनत से करियर में आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे।

मीन: कल मन प्रसन्न रहेगा, परिवार से सहयोग मिलेगा और रुके हुए कार्य पूरे होने से आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी।

रक्षाबंधन की थाली में रखें श्रीफल के साथ यह छह शुभ सामग्री

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन भाई–बहन के स्नेह, विश्वास और आत्मीयता का पर्व है। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधने के साथ उसकी सुख–समृद्धि और लंबी उम्र की कामना करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रक्षाबंधन की पूजा थाली में कुछ शुभ सामग्री रखना मंगलकारी माना जाता है। ज्योतिषाचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार, थाली में रखी प्रत्येक सामग्री का अपना धार्मिक महत्व है।

राखी की थाली में दीपक या आरती रखना शुभ माना जाता है। राखी बांधने के बाद भाई की आरती करने की परंपरा है। मान्यता है कि इससे नकारात्मक

प्रभावों से रक्षा होती है। इसके साथ थाली में अक्षत यानी कच्चे चावल भी रखने चाहिए। तिलक लगाने के बाद भाई के माथे पर अक्षत लगाया जाता है। धार्मिक अनुष्ठानों में अक्षत को पूर्णता और शुभता का प्रतीक माना जाता है।

रोली या कुमकुम से भाई के माथे पर तिलक किया जाता है। इसे विजय, मंगल और दीर्घायु का प्रतीक माना जाता है। थाली में रक्षा सूत्र रखना भी शुभ माना जाता है। इसके अलावा मिठाई रिश्ते में मिठास का प्रतीक है। राखी बांधने के बाद भाई–बहन एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा करते हैं।

शुभ सामग्री से भाई की सुख–समृद्धि की करें कामना

पूजन सामग्री रिश्ते में प्रेम और विश्वास बढ़ाए

राखी की थाली में नारियल यानी श्रीफल को भी विशेष स्थान दिया जाता है। कई स्थानों पर तिलक और राखी के बाद बहन भाई को श्रीफल देती है। धार्मिक मान्यता में इसे देवी लक्ष्मी से जुड़ा शुभ फल माना गया है। कहा जाता है कि श्रीफल देने से भाई के जीवन में सुख, समृद्धि और उन्नति के रास्ते खुलते हैं।

इस तरह दीपक, अक्षत, रोली, रक्षा सूत्र, मिठाई और श्रीफल से सजी थाली रक्षाबंधन के पर्व को धार्मिक और भावनात्मक रूप से विशेष बना सकती है। हालांकि, ये धार्मिक मान्यताएं हैं और इनका पालन व्यक्ति अपनी श्रद्धा के अनुसार करता है।

सम्पादकीय

फोन रखिए, रिश्तों को थोड़ा समय दीजिए

मोबाइल फोन ने हमारी जिंदगी आसान की या हमारी बातचीत कठिन, यह सवाल अब मजाक नहीं रहा। हालत यह है कि सामने बैठा इंसान बोल रहा होता है और सुनने वाला उसकी आंखों में नहीं, मोबाइल की स्क्रीन में झांक रहा होता है। इसे आजकल 'फबिंग' कहा जा रहा है–अर्थात सामने मौजूद व्यक्ति को छोड़कर फोन को महत्व देना। नाम भले नया हो, बीमारी पुरानी है–अनदेखी की। पहले घर में कोई बात करता था तो जवाब मिलता था, "हां, बोलो।" अब जवाब मिलता है, "एक मिनट" और वह एक मिनट कभी–कभी आधे घंटे का हो जाता है। सामने वाला अपनी बात लेकर बैठा रहता है और मोबाइल महाराज सारी बातचीत के मुख्य अतिथि बने रहते हैं।

पवन गौतम
संपादक

मजेदार बात यह है कि हम फोन को स्मार्ट कहते हैं, लेकिन उसके कारण हमारा व्यवहार कितना असंवेदनशील हो रहा है, इस पर कम ही सोचते हैं। बैठक में चार लोग बैठे हों तो पांचवीं जगह मोबाइल की होती है। भोजन की मेज पर सब्जी से ज्यादा ध्यान संदेशों पर रहता है। बच्चे माता–पिता से बात करें तो माता–पिता फोन में व्यस्त और माता–पिता बोलें तो बच्चे खेल में व्यस्त। यानी परिवार साथ बैठा है, मगर सब अलग–अलग दुनिया में।

तकनीक बुरी नहीं है, लेकिन उसका इतना अच्छा दोस्त बन जाना भी ठीक नहीं कि अपने लोगों से दुश्मनी हो जाए। आखिर मोबाइल हमें जोड़ने के लिए आया था, लोगों के बीच दीवार बनने के लिए नहीं।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

विडंबना देखिए, हम दूर बैठे व्यक्ति से बात करने के लिए फोन उठाते हैं और पास बैठे व्यक्ति को सुनने के लिए फोन नहीं रखते। यही हमारी आधुनिक सामाजिक त्रासदी है।

बातचीत केवल शब्दों का आदान–प्रदान नहीं, भावनाओं का आदान–प्रदान भी है। किसी की आंखों में देखकर उसकी बात सुनना यह भरोसा देता है कि उसकी बात महत्वपूर्ण है। लेकिन यदि हमारी आंखें लगातार स्क्रीन पर और उंगलियां लगातार चलती रहेंगी तो रिश्तों की कहानियां कौन सुनेगा?

इसलिए अगली बार कोई आपसे बात करने आए, तो फोन उठाने के बजाय उसे एक तरफ रखिए। हो सकता है मोबाइल पर कुछ नया संदेश आया हो, लेकिन सामने बैठा इंसान शायद आपकी जिंदगी का सबसे जरूरी संदेश लेकर आया हो। फोन बाद में देख लीजिए, रिश्ते ऑनलाइन नहीं मिलते।

और हां, अगर सामने वाला आपको फबिंग कर रहा है तो बदले में आप भी फोन मत उठाइए–उसकी आंखों में देखिए और बातचीत शुरू कर दीजिए। शायद इंसानियत का नेटवर्क वहीं से फिर जुड़ जाए।

नजरिया

निजी ताकत के दम पर अंतरिक्ष में भारत की नई छलांग

ललित गर्ग

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी प्रयोगशालाओं और वैज्ञानिक संस्थानों की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। यह यात्रा अब निजी उद्यम, युवा प्रतिभा, नवाचार, निवेश और वैश्विक बाजार की नई शक्ति से जुड़ रही है। यही बदलाव भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति दे रहा है। अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी के द्वार खोलना इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण पड़ाव है। आज सैकड़ों भारतीय उद्यम अंतरिक्ष तकनीक, उपग्रह, प्रक्षेपण यान, आंकड़ा विश्लेषण, पृथ्वी अवलोकन और संचार जैसी दिशाओं में नई संभावनाएं तलाश रहे हैं।

भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास इस परिवर्तन का मजबूत आधार है। आर्यभट्ट से शुरू हुई यात्रा मंगलयान, चंद्रयान और आदित्य–एल1 तक पहुंची है। चंद्रयान–3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफल उतरने की उपलब्धि ने भारतीय वैज्ञानिक क्षमता का वैश्विक परिचय कराया। मंगलयान ने सीमित लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता हासिल कर दुनिया को चकित किया। आदित्य–एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी, जबकि गगनयान भारत की मानव अंतरिक्ष यात्रा की तैयारी का संकेत है। इन उपलब्धियों ने यह साबित किया है कि भारत अब केवल दूसरों की तकनीक का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि अपने मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

अब इस वैज्ञानिक सामर्थ्य को निजी क्षेत्र की ऊर्जा से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। अंतरिक्ष सुधारों के बाद देश में लगभग 440 अंतरिक्ष–प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस बदलाव की गहराई बताता है। कुछ कंपनियां उपग्रह बना रही हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रही हैं, जबकि कई पृथ्वी अवलोकन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस और अग्निकुल कॉसमॉस जैसे निजी उद्यमों ने दिखाया है कि भारतीय कंपनियां प्रक्षेपण जैसे कठिन क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना सकती हैं।

इस बदलाव का महत्व केवल रॉकेट और उपग्रह तक सीमित नहीं है। अंतरिक्ष तकनीक अब आम नागरिक के जीवन से सीधे जुड़ रही है। उपग्रहों से प्राप्त सूचनाएं किसानों को फसल की निगरानी, जल संसाधनों की पहचान और मौसम की जानकारी उपलब्ध करा सकती हैं। बाढ़, सूखा, चक्रवात और भूस्खलन जैसी आपदाओं

के समय अंतरिक्ष आधारित सूचनाएं राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में संचार और डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। यानी अंतरिक्ष अब केवल राष्ट्रीय गौरव का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन का साधन बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक बदलाव पर केंद्रित दिखाई देता है। लक्ष्य केवल अंतरिक्ष तक पहुंच बनाना नहीं, बल्कि भारत को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। यदि दुनिया की प्रतिभा, पूंजी और नवाचार भारत की ओर आकर्षित होते हैं तो देश में उच्च कौशल वाले रोजगार, अनुसंधान और नए उद्योगों के अवसर तेजी से बढ़ सकते हैं। आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था संचार, कृषि, मौसम, रक्षा, परिवहन, ऊर्जा और आपदा प्रबंधन से और गहराई से जुड़ने वाली है। इसलिए, अंतरिक्ष में तकनीकी नेतृत्व आर्थिक और रणनीतिक शक्ति का भी आधार बनेगा।

लेकिन इस दौड़ में चुनौतियां कम नहीं हैं। अंतरिक्ष अनुसंधान में भारी पूंजी, अत्याधुनिक तकनीक, कुशल मानव संसाधन और लंबे समय के निवेश की आवश्यकता होती है। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम भी सामान्य उद्योगों से कहीं अधिक है।

इसलिए सरकार को केवल नियम बनाने वाली संस्था नहीं, बल्कि सक्षम वातावरण तैयार करने वाली शक्ति बनना होगा। निजी कंपनियों को परीक्षण सुविधाएं, अनुसंधान सहयोग, सरल स्वीकृति व्यवस्था और निवेश का भरोसा देना जरूरी है। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थाओं की भूमिका भी इसी कारण महत्वपूर्ण हो जाती है।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी लागत–कुशलता और वैज्ञानिक दक्षता है। यदि इसे निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम लेने की क्षमता से जोड़ दिया जाए तो छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण और अंतरिक्ष आधारित सेवाओं के वैश्विक बाजार में भारत बड़ी भूमिका निभा सकता है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार भी बढ़ेंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का दशकों का अनुभव निजी क्षेत्र के लिए अमूल्य पूंजी है। सरकारी संस्थानों का ज्ञान, निजी कंपनियों की गति और बाजार की मांग–इन तीनों का संतुलित मेल भारत की अंतरिक्ष शक्ति को कई गुना बढ़ा सकता है।

आखिरकार भारत की अंतरिक्ष सफलता की असली कसौटी रॉकेटों और उपग्रहों की संख्या नहीं होगी। सवाल यह होगा कि अंतरिक्ष तकनीक ने किसान, विद्यार्थी, उद्यमी, सैनिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक का जीवन कितना बेहतर बनाया। चंद्रयान की चंद्र विजय और मंगलयान की सफलता से आगे अब भारत को अंतरिक्ष में आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व स्थापित करना है। आकाश अब भारत के लिए सीमा नहीं, अवसर है। सरकारी संकल्प, वैज्ञानिक प्रतिभा और निजी उद्यमिता का समन्वय इस अवसर को वैश्विक नेतृत्व में बदल सकता है। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली निर्णायक कड़ी बन सकती है।

विचार विंडो

बुजुर्गों की उपेक्षा बढ़ी, परिवार में लौटे अपनापन और सम्मान

बोध प्रकाश सगुणी

बुजुर्ग किसी परिवार की जिम्मेदारी मात्र नहीं होते, वे उस परिवार की स्मृति, अनुभव और संस्कारों के जीवंत स्रोत होते हैं। उन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा अगली पीढ़ी को बेहतर भविष्य देने में लगा दिया। लेकिन बदलती जीवनशैली और तेजी से बढ़ते व्यक्तिवाद ने आज अनेक वरिष्ठ नागरिकों को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है, जहां उनके पास सुविधाएं तो हैं, पर संवाद नहीं; परिवार तो है, पर साथ नहीं, अपने लोग तो हैं, लेकिन अपनापन कम होता जा रहा है। यह स्थिति केवल बुजुर्गों के लिए चिंता का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए आत्ममंथन का अवसर है।

भारतीय समाज में लंबे समय तक संयुक्त परिवार व्यवस्था ने बुजुर्गों को सम्मान और सुरक्षा प्रदान की। घर के बड़े सदस्य निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। बच्चों के संस्कार, पारिवारिक परंपराओं और सामाजिक संबंधों को मजबूत रखने में उनका योगदान रहता था। लेकिन रोजगार, शिक्षा और बेहतर अवसरों की तलाश में बढ़ता पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति और बदलती प्राथमिकताओं ने पारिवारिक ढांचे को काफी बदल दिया है। अब कई वरिष्ठ नागरिक अपने बच्चों से दूर शहरों में अकेले रह रहे हैं। जो साथ रह रहे हैं, उनमें भी अनेक भावनात्मक दूरी का अनुभव करते हैं।

सबसे चिंताजनक स्थिति तब पैदा होती है जब बुजुर्गों को परिवार में उनकी उपयोगिता के आधार पर देखा जाने लगता है। नौकरी के दौरान उनकी आय महत्वपूर्ण होती है, सक्रिय रहते हुए उनकी सलाह ली जाती है, लेकिन

सेवानिवृत्ति के बाद उनकी भूमिका सीमित कर दी जाती है। कुछ परिवारों में उनकी बीमारी और बढ़ती जरूरतों को बोझ समझा जाने लगता है। संपत्ति को लेकर विवाद और माता–पिता की उपेक्षा जैसी घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि आर्थिक संबंधों ने कहीं–कहीं पारिवारिक संवेदनाओं को पीछे छोड़ दिया है।

हालांकि इस तस्वीर का दूसरा पक्ष भी है। सभी बुजुर्ग पीड़ित और सभी युवा संवेदनहीन नहीं हैं। अनेक परिवार आज भी अपने माता–पिता की पूरी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। कई वरिष्ठ नागरिक भी समय के साथ स्वयं को ढाल रहे हैं और सामाजिक, धार्मिक, शैक्षिक तथा सेवा गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसलिए समाधान किसी एक पीढ़ी को दोष देने में नहीं, बल्कि दोनों पीढ़ियों के बीच संवाद बढ़ाने में है।

वरिष्ठ नागरिकों को भी यह समझना होगा कि बदलते समय के साथ परिवार की कार्यशैली और नई पीढ़ी की सोच में बदलाव स्वाभाविक है। अनुभव का अर्थ अधिकार जमाना नहीं, बल्कि सही समय पर सही दिशा दिखाना है। वहीं युवाओं को यह समझना होगा कि स्वतंत्रता का अर्थ माता–पिता से भावनात्मक दूरी नहीं है। आधुनिक जीवन की व्यस्तता के बीच प्रतिदिन कुछ समय बातचीत के लिए निकालना भी बुजुर्गों के लिए बड़ी भावनात्मक पूंजी है।

सरकार की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सुविधा, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा, कानूनी संरक्षण और सुरक्षित आवास जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत करना आवश्यक है। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आय की सीमा से मुक्त स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने जैसी पहल स्वागतयोग्य है। लेकिन योजनाओं का लाभ कागजों से निकलकर वास्तविक जरूरतमंद तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना अधिक महत्वपूर्ण है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा की पहुंच विशेष रूप से बढ़ानी होगी।

वृद्धाश्रमों की संख्या बढ़ना भी समाज के लिए एक गंभीर संकेत है। यह सही है कि अकेले और असहाय बुजुर्गों के लिए वृद्धाश्रम सहारा बन सकते हैं। लेकिन सक्षम परिवारों द्वारा केवल सुविधा के लिए माता–पिता को वहां छोड़ देना चिंता का विषय है। वृद्धाश्रम किसी जरूरतमंद का आश्रय हो सकता है, लेकिन उसे पारिवारिक जिम्मेदारी से बचने का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए।

बुजुर्गों की सबसे बड़ी आवश्यकता केवल आर्थिक सुरक्षा नहीं, भावनात्मक सुरक्षा है। पेंशन उनके खर्च पूरे कर सकती है, दवाएं बीमारी संभाल सकती हैं, लेकिन अकेलेपन को दूर करने के लिए परिवार का समय और अपनापन चाहिए। कई बार बुजुर्गों को बड़ी सुविधाओं की नहीं, केवल दो शब्द पूछने वाले व्यक्ति की जरूरत होती है। उनकी बात सुन लेना, उनके साथ भोजन कर लेना, पुरानी यादें साझा करना या परिवार के किसी निर्णय में उनकी राय लेना उनके जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है।

समाज को यह भी समझना चाहिए कि वृद्धावस्था कोई अलग दुनिया नहीं है। आज का युवा ही कल का वरिष्ठ नागरिक होगा। जिस सामाजिक व्यवस्था को हम आज अपने माता–पिता के लिए बनाएंगे, उसी व्यवस्था में आने वाली पीढ़ियां हमारे लिए भी जगह तय करेंगी। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी सुरक्षित और संवेदनशील समाज तैयार करने की प्रक्रिया है।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस की वास्तविक सार्थकता तभी होगी जब बुजुर्गों के सम्मान की बात केवल समारोहों और संदेशों तक सीमित न रहे। परिवार में संवाद बढ़े, समाज में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित हो और सरकार उनकी सुरक्षा को मजबूत करे। बुजुर्ग जीवन की शाम जरूर हैं, लेकिन शाम का अर्थ अंधेरा नहीं होता। उनके अनुभव की रोशनी परिवार और समाज को दिशा दे सकती है। जरूरत केवल इतनी है कि हम उस रोशनी को उपेक्षा और अकेलेपन के अंधेरे में खोने न दें। जिस समाज में बुजुर्ग सम्मान के साथ जीते हैं, वही समाज वास्तव में अपने संस्कारों और संवेदनाओं को जीवित रखता है।

ऋषभ पंत ने आईसीसी की नई टेस्ट रैंकिंग में लगाई लंबी छलांग

पंत सातवें स्थान पर पहुंचे, गिल के बराबर रेटिंग

यशस्वी जायसवाल को दो स्थान का नुकसान हुआ

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी की नई टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने शानदार छलांग लगाई है। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में उपयोगी पारियां खेलने का फायदा उन्हें मिला और वह छह स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। उनकी रेटिंग 711 है, जो कप्तान शुभमन गिल की रेटिंग के बराबर है।

रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक 874 अंकों के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र को भी दो स्थान का फायदा हुआ है और वह छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। पंत के लिए यह उछाल इसलिए खास है, क्योंकि उन्होंने शीर्ष दस में दोबारा मजबूत जगह बनाई है।

श्रीलंका के खिलाफ गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में पंत ने पहली पारी में 39 और दूसरी पारी में 66 रन बनाए थे। उनके प्रदर्शन ने टीम को महत्वपूर्ण योगदान दिया और रैंकिंग में भी इसका असर दिखाई दिया। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को नई रैंकिंग में नुकसान हुआ है। वह दो स्थान फिसलकर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 701 है और इसी के साथ वह शीर्ष दस से बाहर हो गए। मौजूदा श्रीलंका टेस्ट के प्रदर्शन को इस रैंकिंग में शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि नया आकलन पहले टेस्ट के आधार पर हुआ है। गेंदबाजों की रैंकिंग में भी बड़ा बदलाव हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क दो स्थान ऊपर चढ़कर पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक स्थान नीचे खिसककर दूसरे स्थान पर आ गए हैं। इस तरह नई रैंकिंग में पंत का उभार भारतीय क्रिकेट के लिए सकारात्मक संकेत है। गिल के साथ बराबरी ने शीर्ष बल्लेबाजों के बीच भारत की मजबूत मौजूदगी भी कायम रखी है।

जोकोविच सबालेंका की जोड़ी पहले दौर में हारी

सेरेना अल्काराज भी क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर

स्वितोलिना मोंफिल्स ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

यूनिक समय, नई दिल्ली। न्यूयॉर्क में जारी अमेरिकी ओपन मिश्रित युगल में कई दिग्गज खिलाड़ियों की जोड़ियां खिताब की दौड़ से बाहर हो गईं। नोवाक जोकोविच और आर्यना सबालेंका को पहले दौर में कतेरीना सिइनाकोवा और हेनरी पैटेन ने हराया। वहीं सेरेना विलियम्स और कार्लोस अल्काराज की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में हार गई।

जोकोविच–सबालेंका ने मुकाबले की शुरुआत शानदार तरीके से की और पहला सेट 4–1 से अपने नाम किया। इसके बाद सिइनाकोवा–पैटेन ने वापसी करते हुए दूसरा सेट 4–2 से जीता। निर्णायक सुपर टाई–ब्रेकर में उन्होंने 10–2 से जीत दर्ज कर दिग्गज जोड़ी को बाहर कर दिया।

सेरेना और अल्काराज ने शुरुआती मुकाबले में जीत दर्ज कर प्रशंसकों का उत्साह बढ़ाया था। 44 वर्षीय सेरेना ने 2022 में संन्यास के बाद पहली बार अमेरिकी ओपन के आर्थर ऐश स्टेडियम में वापसी की थी। हालांकि, क्वार्टर फाइनल में बेलिंडा बेनसिच और फ्लावियो कोबोली ने उन्हें शिकस्त दी। पति–पत्नी एलीना स्वितोलिना और गेल मोंफिल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। दोनों ने सिइनाकोवा–पैटेन की जोड़ी को 5–4, 4–5, 10–8 से हराया। अब उनका सामना बेनसिच और कोबोली से होगा।

मिश्रित युगल के इस नए प्रारूप में केवल 16 जोड़ियां हिस्सा ले रही हैं। विजेता टीम को 10 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। प्रतियोगिता को छोटा रखा गया है, ताकि एकल खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

इस बीच रोजर फेडरर भी प्रदर्शनी मुकाबले के लिए अमेरिकी ओपन में लौटे और एंडी रॉडिक को हराया। लंबे समय बाद न्यूयॉर्क लौटे फेडरर ने कहा कि इस शहर और टूर्नामेंट से उनकी कई यादें जुड़ी हैं।

पति कुकू कोहली के निधन से टूटीं अरुणा ईरानी, भावुक हुईं

फिल्म जगत की कई हस्तियां अंतिम संस्कार में पहुंचीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। निर्देशक और अरुणा ईरानी के पति कुकू कोहली के निधन के बाद अभिनेत्री गहरे सदमे में हैं। 25 अगस्त को मुंबई में कुकू कोहली का निधन हो गया। उनके अंतिम संस्कार के दौरान अरुणा ईरानी बेहद भावुक नजर आईं। श्मशान घाट पहुंचने पर परिवार के सदस्यों ने उन्हें सहारा देकर अंदर पहुंचाया।

कुकू कोहली को सोमवार रात अचानक घबराहट और सीने में परेशानी हुई थी। उन्हें उपचार के लिए मुंबई के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी एंजियोप्लास्टी की गई। शुरुआत में उनकी हालत स्थिर बताई गई, लेकिन मंगलवार शाम उन्हें अचानक गंभीर हृदयाघात हुआ। चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

कुकू कोहली फिल्म निर्देशक के तौर पर अपनी पहचान बना चुके थे। उन्होंने चर्चित फिल्म 'फूल और कांटे' का निर्देशन किया था। उनके निधन की खबर से फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम संस्कार में परिवार और करीबी लोगों के अलावा फिल्म जगत की कई हस्तियां पहुंचीं। रोहित शेट्टी, विक्की कौशल, कैटरीना कैफ और शाम कौशल समेत कई लोगों ने दिवंगत निर्देशक को श्रद्धांजलि दी और परिवार के प्रति संवेदना जताई।

पति को खोने के बाद अरुणा ईरानी का दुख देखकर वहां मौजूद लोग भी भावुक हो गए। प्रशंसकों ने भी सामाजिक माध्यमों पर अभिनेत्री के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं और उन्हें इस कठिन समय में हिम्मत देने की प्रार्थना की। कुकू कोहली और अरुणा ईरानी का रिश्ता लंबे समय से फिल्म जगत में जाना जाता रहा है।

जन्माष्टमी का अमर गीत आज भी मन मोह लेता है

तीन मुस्लिम कलाकारों ने मिलकर रचा कालजयी कृष्ण गीत

राधा–कृष्ण की नोकझोंक ने गीत को बनाया यादगार

यूनिक समय, नई दिल्ली। जन्माष्टमी के अवसर पर जब कृष्ण भक्ति के गीत गूंजते हैं, तो फिल्म 'लगान' का लोकप्रिय गीत 'राधा कैसे न जले' भी याद आ जाता है। वर्ष 2001 में आई इस फिल्म के इस गीत को आज 25 साल बाद भी खूब पसंद किया जाता है। आमिर खान और ग्रेसी सिंह पर फिल्माया गया यह गीत राधा–कृष्ण की नटखट नोकझोंक को खूबसूरती से प्रस्तुत करता है।

गीत की खासियत यह है कि इसे तैयार करने में तीन मुस्लिम कलाकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गीतकार जावेद अख्तर ने इसके बोल लिखे, जबकि संगीत एआर रहमान ने तैयार किया। प्रसिद्ध नृत्य निर्देशक सरोज खान ने गीत की नृत्य रचना की। आशा भोसले और उदित नारायण की आवाज ने इसे यादगार बना दिया।

फिल्म में आमिर खान कृष्ण और ग्रेसी सिंह राधा के रूप में नजर आए। गीत में राधा की नाराजगी और कृष्ण की शरारतों को मनमोहक अंदाज में दिखाया गया है। जन्माष्टमी आते ही यह गीत आज भी लोगों को झूमने पर मजबूर कर देता है।

कृति के रक्षाबंधन विज्ञापन पर विवाद, जीवा ने हटाया

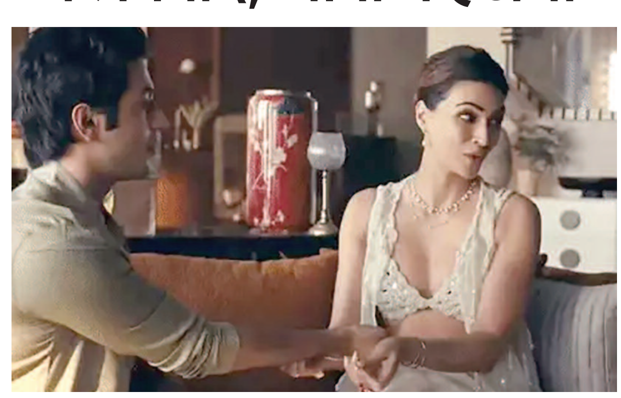

कपड़ों और प्रस्तुति को लेकर सोशल मीडिया पर उठे सवाल

कृति ने कपड़ों की पसंद पर आलोचकों को जवाब दिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। रक्षाबंधन के अवसर पर अभिनेत्री कृति सेनन का आभूषण कंपनी जीवा का विज्ञापन विवादों में घिर गया। सामाजिक माध्यमों पर कृति के पहनावे और विज्ञापन की प्रस्तुति को लेकर कई लोगों ने आपत्ति जताई। विवाद बढ़ने के बाद कंपनी ने विज्ञापन को अपने सभी मंचों से हटा दिया।

विज्ञापन में कृति रक्षाबंधन मनाती और राखी बांधती दिखाई दी थीं। उनके पहनावे को लेकर लोगों ने सवाल उठाए। इसके अलावा विज्ञापन में कृति के पालतू कुत्ते को राखी बांधने वाले दृश्य पर भी कुछ लोगों ने आपत्ति जताई।

अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी कृति के विज्ञापन और पहनावे पर सवाल उठाते हुए टिप्पणी की। इसके बाद मामला और चर्चा में आ गया। कृति ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि किसी महिला के सम्मान को उसके कपड़ों से तय नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने त्योहार की भावना को कपड़ों के बजाय भावनाओं और परंपराओं से जोड़ने की बात कही।

विवाद के बाद जीवा ने विज्ञापन वापस लेने का निर्णय लिया। कंपनी ने कहा कि वह भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों का सम्मान करती है। उसका उद्देश्य रक्षाबंधन की खुशी को परिवार और पालतू जानवरों तक पहुंचाना था। कंपनी ने कहा कि किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो सम्मान के तौर पर विज्ञापन हटाया गया है।

अनाया बांगड़ की क्रिकेट में वापसी का रास्ता खुला

ऑस्ट्रेलिया ने महिला क्रिकेट खेलने की अनुमति दी

मार्च 2027 से पूरी करनी होंगी निर्धारित पात्रताएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और बल्लेबाजी प्रशिक्षक संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ के क्रिकेट में वापसी का रास्ता साफ हो गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी ट्रांसजेंडर और जेंडर विविधता संबंधी नीति के तहत उन्हें ऑस्ट्रेलिया में महिला क्रिकेट खेलने की अनुमति दी है।

अनाया ने जेंडर परिवर्तन की प्रक्रिया के दौरान हार्मोन उपचार कराया था और मार्च 2026 में जेंडर–अफर्मिंग सर्जरी कराई। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट में वापसी के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से संपर्क किया। संस्था की समीक्षा के बाद उन्हें ऑस्ट्रेलिया की प्रीमियर क्रिकेट प्रतियोगिताओं में खेलने की अनुमति मिल गई है।

प्रीमियर क्रिकेट को सामुदायिक स्तर की प्रतियोगिता माना जाता है। इसलिए इसमें खेलने के लिए उच्च स्तरीय क्रिकेट की पात्रता शर्तें लागू नहीं होंगी। हालांकि, महिला बिग बैश लीग जैसी उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में खेलने के लिए अनाया को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की निर्धारित चिकित्सकीय पात्रता पूरी करनी होगी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार मार्च 2027 से उच्च स्तरीय महिला क्रिकेट में अनाया की पात्रता निर्धारित शर्तों पर निर्भर करेगी। ऑस्ट्रेलिया पहुंचने पर उनके रक्त परीक्षण में सीरम टेस्टोस्टेरोन का स्तर 10 नैनोमोल प्रति लीटर से कम होना चाहिए और नीति की अन्य शर्तों का भी पालन करना होगा। अनाया ने इस फैसले को भावुक पल बताया। उन्होंने कहा कि एक समय उन्हें लगा था कि शायद वह फिर कभी क्रिकेट नहीं खेल पाएंगी। बचपन से क्रिकेट उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है और खेल से दूर होना उनके लिए बेहद कठिन था।

अनाया मुंबई की आयु वर्ग क्रिकेट में खेल चुकी हैं। उन्होंने मुंबई अंडर–19 स्तर पर भी हिस्सा लिया और सरफराज खान तथा मुशीर खान जैसे खिलाड़ियों के साथ क्रिकेट खेला है।

भारत में ट्रांसजेंडर महिलाओं के महिला क्रिकेट खेलने को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड की स्पष्ट नीति सार्वजनिक नहीं है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने 2023 में पुरुष यौवन से गुजर चुके ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर रखने की नीति अपनाई थी।

50 हजार छात्राओं को जल्द मिलेगी स्कूटी की सौगात

मुख्यमंत्री ने बेटियों की सुरक्षा को सरकार की प्राथमिकता बताया

अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना का भी हुआ शुभारंभ

साठ वर्ष से अधिक महिलाओं को निशुल्क बस यात्रा

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रदेश की छात्राओं और महिलाओं के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की 50 हजार छात्राओं को स्कूटी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं के केंद्र में बेटियां और महिलाएं हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसी योजनाएं लागू कर रही है, जिनसे छात्राओं को शिक्षा प्राप्त करने और आगे बढ़ने में सुविधा मिले। स्कूटी वितरण की योजना से छात्राओं को आवागमन में सहूलियत मिलने की उम्मीद है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले बेटियों की सुरक्षा को लेकर लोगों में चिंता रहती थी, लेकिन अब व्यवस्था को तकनीक और मजबूत कानून-व्यवस्था से जोड़ा गया है। उन्होंने महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ भी किया। इसके तहत उत्तर प्रदेश की 60 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं को परिवहन निगम की बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। पात्र महिलाओं को विशेष पहचान पत्र दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि रक्षाबंधन के अवसर पर 27, 28 और 29 अगस्त को महिलाएं एक सहयात्री के साथ निशुल्क बस यात्रा कर सकेंगी। इसके बाद 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को नियमित रूप से यह सुविधा उपलब्ध होगी।

मेरठ में अखिलेश के पोस्टर पर सियासत गरमाई

अतुल प्रधान ने कार्यकर्ताओं संग विवादित पोस्टर हटवाए

जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने का लगाया आरोप

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ साउथ स्टेशन के पास समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ लगाए गए विवादित पोस्टरों को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ गया। सरधना विधायक अतुल प्रधान बुधवार को कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे और सड़क किनारे लगे पोस्टर हटवाए। उन्होंने पोस्टर लगाए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई और प्रशासन से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

अतुल प्रधान ने आरोप लगाया कि जनता का ध्यान महंगाई, किसानों की समस्याओं और छात्रों के प्रश्नपत्र लीक जैसे मुद्दों से हटाने के लिए इस तरह की पोस्टरबाजी की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपाइयों के पास जनता से जुड़े सवालों का जवाब नहीं है, इसलिए विवाद खड़ा करने का प्रयास किया जा रहा है।

विधायक ने प्रशासन से पोस्टर लगाने वालों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसी राजनीति स्वीकार नहीं की जाएगी और जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। अतुल प्रधान ने आशंका जताई कि यदि पोस्टर लगाने में नगर निगम की भूमिका सामने आती है तो समाजवादी पार्टी इसका विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

यूपी में बारिश से आफत, 25 शहरों में जलभराव

कानपुर में पांच फीट धंसी सड़क, घरों में घुसा पानी

बाढ़ प्रभावित उन्नीस जिलों में हालात लगातार बिगड़े

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश ने बुधवार को जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी, गाजियाबाद और झांसी समेत 25 शहरों में रुक-रुककर बारिश हुई। कानपुर में करीब 12 घंटे हुई तेज बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव हो गया। घरों और दुकानों में पानी घुस गया। प्रमुख मार्ग पर सड़क करीब पांच फीट तक धंस गई, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ। अपर श्रमायुक्त कार्यालय भी जलभराव की चपेट में आ गया।

प्रदेश में पिछले दो दिनों में बारिश से जुड़े हादसों में 13 लोगों की मौत हुई है। महोबा और उन्नाव में मकान गिरने से दो-दो लोगों की जान गई, जबकि सुल्तानपुर में एक व्यक्ति की मौत हुई। बांदा में नाले में बहे चार लोगों में से तीन की मौत हो गई। वाराणसी में भी अलग-अलग हादसों में पांच लोगों की जान गई। प्रदेश के 19 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। बदायूं में गंगा और रामगंगा नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कटान के कारण एक मकान गंगा में समा गया। रामगंगा का पानी बदायूं-शाहजहांपुर मार्ग तक पहुंच गया है। लखीमपुर में शारदा नदी पर बने बांध का हिस्सा कट गया, जबकि ललितपुर में खेड़ार नदी का पानी पुल के ऊपर से बह रहा है। चंदौली में बांधों के भरने के बाद उनके द्वार खोल दिए गए हैं। झांसी का सुकवा-ढुकवा बांध भी छलक गया है।

मौसम विभाग ने प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। अगले दो से तीन दिनों तक बारिश जारी रहने का अनुमान है। वाराणसी में गंगा और प्रयागराज में यमुना का जलस्तर फिलहाल स्थिर है, लेकिन घाट अब भी जलमग्न हैं। कई स्थानों पर अंतिम संस्कार के लिए वैकल्पिक जगहों का सहारा लेना पड़ रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी के पास बने कम दबाव वाले क्षेत्र और सक्रिय मानसूनी हवाओं के प्रभाव से अगले 24 घंटे में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

आगरा में किशोरी से दुष्कर्म, वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

यूनिक समय, आगरा। जगदीशपुरा क्षेत्र में एक किशोरी से दुष्कर्म और उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो अधिनियम की धाराओं में कार्रवाई की गई है।

शिकायत के मुताबिक, 18 जुलाई को रकाबगंज क्षेत्र निवासी किशोरी को उसके परिचित रचित और सोम चाय पिलाने के बहाने अपने साथ ले गए। दोनों पहले उसे ताजगंज स्थित एक कैफे में ले गए। आरोप है कि वहां चाय में नशीला पदार्थ मिला दिया, जिससे किशोरी बेसुध हो गई। इसके बाद दोनों उसे स्कूटी से जगदीशपुरा क्षेत्र के एक गेस्ट हाउस में ले गए। आरोप है कि गेस्ट हाउस में किशोरी के साथ दुष्कर्म किया गया और उसका वीडियो बना लिया गया। बाद में आरोपी वीडियो के जरिए उसे दोबारा बुलाने के लिए दबाव बनाने लगे। विरोध करने पर वीडियो सामाजिक माध्यम पर प्रसारित करने का आरोप है। परिजनों को जानकारी मिलने के बाद पुलिस से शिकायत की गई। जांच में घटनास्थल जगदीशपुरा क्षेत्र में मिलने पर वहीं मुकदमा दर्ज हुआ।

30 देशों की मिस टीन फाइनलिस्ट ने देखा ताजमहल

डायना बेंच पर कराया फोटोशूट, पर्यटकों में दिखा उत्साह

ताज की पच्चीकारी और वास्तुकला देखकर हुईं प्रभावित

यूनिक समय,आगरा। मिस टीन इंटरनेशनल प्रतियोगिता की 30 से अधिक देशों की फाइनलिस्ट बुधवार को आगरा पहुंचीं। उन्होंने विश्व प्रसिद्ध ताजमहल का भ्रमण किया और इसकी खूबसूरती तथा वास्तुकला की जानकारी ली। स्मारक देखते ही प्रतिभागियों में उत्साह नजर आया। उन्होंने डायना बेंच पर बैठकर तस्वीरें खिंचवाईं और ताजमहल की पृष्ठभूमि में सामूहिक फोटो भी कराए।

ताजमहल परिसर में प्रतिभागियों ने करीब आधे घंटे का समय बिताया। उन्होंने पच्चीकारी और पत्थरों पर की गई बारीक कारीगरी को करीब से देखा। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें ताजमहल के इतिहास और शाहजहां-मुमताज की प्रेम कहानी के बारे में जानकारी दी।

प्रतिभागियों ने ताजमहल को बेहद खूबसूरत बताते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी इमारत पहले नहीं देखी। उन्होंने कहा कि ताजमहल के बारे में बचपन से सुनती आ रही थीं और इसे देखना उनके लिए खास अनुभव है।

एक साथ बड़ी संख्या में विदेशी प्रतिभागियों को देखकर ताजमहल आए पर्यटक भी उत्साहित नजर आए। कई लोगों ने उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। मिस टीन इंटरनेशनल का अंतिम मुकाबला 30 अगस्त को जयपुर में आयोजित होगा।

सपा सरकार बनी तो महिलाओं को मिलेंगे सालाना चालीस हजार

स्त्री सम्मान समृद्धि योजना से आर्थिक मजबूती का वादा

अखिलेश बोले, महिलाओं की स्वतंत्रता और सुरक्षा प्राथमिकता होगी

महिलाओं को हर वर्ष मिलेंगे चालीस हजार रुपये

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने महिला मतदाताओं के लिए बड़ा चुनावी एलान किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर ' स्त्री सम्मान समृद्धि योजना' शुरू की जाएगी। इसके तहत महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान किया जाएगा। पार्टी का कहना है कि योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना है।

अखिलेश यादव ने कहा कि समाज और देश की प्रगति महिलाओं की तरक्की के बिना संभव नहीं है। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए लगातार काम करती रही है। प्रस्तावित योजना के तहत प्रत्येक पात्र महिला को सालाना 40 हजार रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में इस राशि को बढ़ाया जा सकता है।

हालांकि, योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और लाभार्थियों की संख्या को लेकर अभी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

अखिलेश ने कहा कि महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए आर्थिक सहायता के साथ शिक्षा और आवागमन की सुविधाओं पर भी जोर दिया जाएगा। उन्होंने छात्राओं को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने के लिए लैपटॉप देने की बात भी कही।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने महिलाओं के लिए बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने और आवागमन आसान बनाने की बात कही। साथ ही छात्राओं के लिए महानगरों में निःशुल्क यात्रा जैसी सुविधाओं का विस्तार करने का संकेत दिया।

उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं को केवल राजनीतिक नारों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। अखिलेश ने दावा किया कि सपा सरकार बनने पर महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

नाजिया को इंस्टाग्राम पर धमकी पुलिस ने केस दर्ज किया

यूनिक समय, गाजियाबाद। पैगंबर मोहम्मद पर कथित टिप्पणी को लेकर विवादों में रहीं अधिवक्ता नाजिया इलाही खान को सामाजिक माध्यम पर जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है।

नाजिया ने शिकायत में आरोप लगाया कि 'शाहिल अहमद 786' नाम की इंस्टाग्राम आईडी से उनकी तस्वीर पर अभद्र टिप्पणियां की गईं और गर्दन काटने की धमकी दी गई। इसके अलावा उनकी तस्वीर वाले पोस्टर के साथ आपत्तिजनक व्यवहार का वीडियो भी प्रसारित किए जाने का आरोप है।

नाजिया के अनुसार, उन्होंने मामले की शिकायत उत्तर प्रदेश के गृह सचिव और आतंकवाद निरोधक दस्ते के अधिकारियों से की। इसके बाद 25 अगस्त की रात इंदिरापुरम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने संबंधित धाराओं के साथ सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत भी कार्रवाई शुरू की है।

नेपाल में बाढ़ से भारी तबाही

तिब्बत से अचानक आए सैलाब में आठ मौतें, कई लापता

यूनिक समय, नई दिल्ली। तिब्बत से आई अचानक बाढ़ ने नेपाल के रसुवा जिले में भारी तबाही मचा दी है। भोटेकोशी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से टिमुरे और स्याब्रुबेसी सहित आसपास के इलाकों में कई घर, बाजार और अन्य संपत्तियां बाढ़ की चपेट में आ गईं। तेज बहाव में वाहन और सामान बह गए, जबकि एक पुल भी टूट गया। एक जलविद्युत परियोजना को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

बाढ़ से अब तक आठ लोगों की मौत की सूचना है, जबकि कई लोग

ग्लेशियल झील फटने से सैलाब आने की आशंका

लापता बताए जा रहे हैं। टिमुरे सीमा चौकी पर तैनात नौ पुलिसकर्मियों के भी लापता होने की जानकारी सामने आई है। राहत और बचाव अभियान में 14 हेलिकॉप्टर लगाए गए हैं और 25 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है।

नेपाल में पिछले 24 घंटे के दौरान बहुत कम बारिश हुई, इसलिए अधिकारियों को आशंका है कि बाढ़ का कारण तिब्बत क्षेत्र में किसी हिमनदीय झील का अचानक फटना हो सकता है। हालांकि, अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि पानी किस झील से आया। तकनीकी दल उपग्रह तस्वीरों और अन्य माध्यमों से इसकी जांच कर रहे हैं।

नेपाल की बाढ़ को देखते हुए बिहार में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर में विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। गंडक नदी में अचानक जलप्रवाह बढ़ने और करीब तीन मीटर ऊंची बाढ़ की लहर आने की आशंका जताई गई है।

प्रशासन ने निचले इलाकों, तटबंधों और नदी किनारे बसे गांवों की लगातार निगरानी करने को कहा है। संभावित स्थिति से निपटने के लिए राहत दल, नाव और सुरक्षित स्थानों की व्यवस्था भी तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। नेपाल में बचाव अभियान जारी है, जबकि बिहार में प्रशासन किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारी में जुटा है।

नेपाल बाढ़ से बिहार में बढ़ा गंडक नदी का खतरा

नदी में तीन मीटर ऊंची लहरों की आशंका जताई

प्रशासन ने प्रभावित जिलों में निगरानी बढ़ाई दल तैनात

बचाव दलों की तैनाती नावों की व्यवस्था शुरू

तटबंधों की निगरानी के साथ राहत तैयारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में आई बाढ़ के बाद बिहार में गंडक नदी के जलस्तर को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। अचानक जलप्रवाह बढ़ने और करीब तीन मीटर तक ऊंची बाढ़ की लहरें आने की आशंका के चलते राज्य सरकार ने संबंधित जिलों को अलर्ट किया है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में पश्चि मी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर और वैशाली सहित संवेदनशील जिलों के अधिकारियों को विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए। तटबंधों, निचले इलाकों, पुलों और नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रखने को कहा गया है।

संभावित बाढ़ से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल की टीमें तैयार की जा रही हैं। गोपालगंज, मुजफ्फरपुर और बेतिया में बचाव व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए नाव और आश्रय स्थलों की व्यवस्था भी की जा रही है।

जल संसाधन विभाग को गंडक बैराज और संबंधित नहरों की निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है। नेपाल में बाढ़ से भारी तबाही के बाद बिहार प्रशासन किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

वाल्मीकि निगम के 89 करोड़ रुपये के घोटाले पर घिरे नागेंद्र

मंत्री बोले, इस्तीफे को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई

नागेंद्र ने इस्तीफे की खबरों को बताया गलत

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक में महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम से जुड़े कथित 89 करोड़ रुपये के घोटाले को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच मंत्री बी. नागेंद्र के इस्तीफे की पेशकश की अटकलें सामने आईं, लेकिन उन्होंने इन खबरों को पूरी तरह गलत बताया है।

नागेंद्र के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मीडिया में चल रही इस्तीफे की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय से उन्हें कोई फोन नहीं आया और इस्तीफे को लेकर कोई बातचीत भी नहीं हुई है। इससे पहले ऐसी चर्चा थी कि वह पार्टी नेतृत्व को असहज स्थिति से बचाने के लिए स्वेच्छा से इस्तीफा दे सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी और जनता दल (सेक्युलर) मंत्री नागेंद्र को हटाने की मांग कर रहे हैं। यह मामला मई 2024 में निगम के लेखा अधिकारी चंद्रशेखरन पी. की आत्महत्या के बाद सामने आया था। उनके छोड़े गए पत्र में बिना मंजूरी धन हस्तांतरण के आरोप लगाए गए थे। जांच के दौरान निगम के खातों से अलग-अलग खातों में बड़ी रकम भेजे जाने की बात सामने आई। विवाद के बाद नागेंद्र ने जून 2024 में मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। बाद में 3 अगस्त 2026 को उन्हें दोबारा मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

टीएमसी के 20 बागी सांसदों को लोकसभा का नोटिस

यूनिक समय, नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को हुई सुनवाई के बाद लोकसभा सचिवालय ने बुधवार को इन सांसदों को नोटिस जारी कर सात दिन के भीतर जवाब मांगा है। इन सांसदों के खिलाफ दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता की मांग की गई थी।

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने 18 जून को बागी सांसदों की लोकसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग को लेकर अलग-अलग याचिकाएं दाखिल की थीं। पार्टी का आरोप है कि सांसदों ने टीएमसी के टिकट पर चुनाव जीतने के बाद पार्टी छोड़कर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल होने का निर्णय लिया।

बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से

सात दिन में जवाब देने का दिया गया निर्देश

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुई कार्रवाई

सदन में अलग बैठने की व्यवस्था करने की मांग की थी। उनका दावा है कि उनके साथ टीएमसी के दो-तिहाई सांसदों का समर्थन है। मामले को लेकर राजनीतिक टकराव बढ़ गया है।

मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने मामले में संबंधित सांसदों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। इसके अगले दिन लोकसभा सचिवालय की ओर से नोटिस भेजे गए। अब सांसदों के जवाब के बाद मामले में आगे की प्रक्रिया तय होगी।

पाकिस्तान में दस रुपये का नोट अब धीरे-धीरे होगा बंद

पांच हजार रुपये के नोट का बदलेगा रूप

नकली नोट रोकने को बढ़ेंगे सुरक्षा के उपाय

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान अपनी मुद्रा व्यवस्था में बदलाव की तैयारी कर रहा है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान दस रुपये के नोट को हटाकर उसकी जगह दस रुपये का सिक्का लाने पर विचार कर रहा है। वहीं पांच हजार रुपये के नोट का नया डिजाइन तैयार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य नकली नोटों पर रोक लगाना और मुद्रा को अधिक सुरक्षित बनाना है। पाकिस्तानी केंद्रीय बैंक के अनुसार पांच हजार रुपये का मौजूदा नोट वर्ष 2005 में जारी किया गया था। तब से सुरक्षा तकनीक में काफी बदलाव आया है। पुराने सुरक्षा उपायों की नकल किए जाने की आशंका को देखते हुए नए डिजाइन पर काम शुरू किया गया है। हालांकि नया नोट आने के साथ पुराना नोट तुरंत बंद नहीं होगा। पुराने नोटों को धीरे-धीरे बाजार से हटाया जाएगा।

दस रुपये के नोट को हटाने की वजह उसकी छपाई और बार-बार बदलने की लागत बताई जा रही है। छोटे मूल्य के नोट तेजी से खराब होते हैं, जबकि सिक्के लंबे समय तक चलते हैं। इसलिए पाकिस्तान में दस रुपये के नोट की जगह सिक्का लाने की तैयारी की जा रही है।

इस्लामाबाद अस्पताल में आग, 15 नवजातों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के स्त्री एवं प्रसूति विभाग में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। हादसे में 15 नवजात बच्चों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चे को सुरक्षित बचा लिया गया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

जानकारी के मुताबिक आग सुबह करीब सात बजे अस्पताल की तीसरी मंजिल पर स्थित वार्ड में लगी। उस समय नवजात शिशु कक्ष में 16 बच्चे मौजूद थे। आग और धुएं की चपेट में आने से 15 बच्चों की जान चली गई। प्रारंभिक जानकारी में आग लगने की वजह वातानुकूलन यंत्र के कंप्रेसर में विस्फोट को बताया जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद होगी। आग की सूचना मिलते ही दमकल की छह गाड़ियां और चार एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं।

बचाव दल ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद दमकलकर्मियों ने प्रभावित हिस्से में शीतलन अभियान चलाया, ताकि दोबारा आग भड़कने की आशंका न रहे। हादसे के बाद प्रशासन ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। जांच समिति आग लगने के वास्तविक कारणों के साथ अस्पताल की अग्निसुरक्षा व्यवस्था और संभावित लापरवाही की भी पड़ताल करेगी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नवजात बच्चों की मौत पर गहरा दुख जताया और तत्काल जांच

एसी कंप्रेसर फटने से आग लगने की आशंका जताई

वार्ड में मौजूद 16 नवजातों में एक नवजात बचा

उच्चस्तरीय जांच के आदेश, समिति करेगी कारणों की पड़ताल

कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की मौत बेहद पीड़ादायक घटना है। घटना के बाद अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

सिलीगुड़ी में ड्यूटी पर हिमाचली जवान का निधन

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले के उदयपुर क्षेत्र के कुकमसेरी गांव निवासी सिपाही अनिल का ड्यूटी के दौरान आकस्मिक निधन हो गया। वह असम रेजिमेंट में तैनात थे और वर्तमान में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में सेवाएं दे रहे थे। बताया गया कि 23 अगस्त को अचानक हृदय गति रुकने से उनकी मौत हो गई।

जवान के निधन की सूचना मिलते ही कुकमसेरी गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार में मातम पसरा है। अनिल अपने पीछे वृद्ध माता, पत्नी और दो मासूम बच्चों को छोड़ गए हैं। उनकी असमय मौत से दोनों बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया।

हृदय गति रुकने से सिपाही अनिल ने गंवाई जान

दो बच्चों समेत परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

परिजनों के अनुसार, जवान का पार्थिव शरीर बुधवार शाम तक पैतृक गांव पहुंचने की संभावना है। इसके बाद सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। जवान के निधन पर ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने गहरा दुख जताते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

शहर में शांतिपूर्ण माहौल में निकला जुलूसे मुहम्मदी

मथुरा शहर में निकाले गए जुलूस में शामिल मुस्लिम समाज के लोग।

वृंदावन में निकाले गए जुलूसे मुहम्मदी में शामिल मुस्लिम समाज के लोग।

वृंदावन, कोसीकलां सुरीर, शेरगढ़ में भी शान से निकला जुलूसे मुहम्मदी

यूनिक समय, मथुरा। पैगंबर हजरत मुहम्मद के जन्म दिवस पर शहर में जुलूसे मुहम्मदी बुधवार को मस्जिद जेबा कल्लू मल्लू के कारखाने से दावते इस्लामी इंडिया के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ। जुलूस में भारी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने शिरकत की।

जुलूस में सबसे आगे चल रही एक गाड़ी पर लाउडस्पीकर हरे और तिरंगे झंडे लगे हुए थे। गाड़ी में सवार लोग नारे लगा रहे थे। जूलूस में हर तरफ सफेद कपड़े-हरे साफे नजर आ रहे थे। जुलूस भरतपुर गेट, घीया मंडी, चौक बाजार, मंडी रामदास, डीग गेट होता हुआ दरेसी रोड होता हुआ कल्लू मल्लू के कारखाने पर समाप्त हुआ। जुलूस में लोगों की भीड़ इतनी थी सड़क पूरी तरह से भरी हुई थी। लोग सरकार की आमद मरहबा, आका की आमद मरहबा के नारे लगा रहे थे। जुलूस के रास्ते में लोगों ने फूल वर्षा कर स्वागत किया। इसके साथ ही जगह–जगह लोगों ने सबील लगा कर कहीं शरबत पिलाया तो कहीं हलवा फल सहित अन्य खाने की चीजों को बांटा गया। जुलूस के आगे पुलिस की भारी सुरक्षा की गई थी। अध्यक्ष मुजीबुर्रहमान, हाफिज जियाउर्रहमान, हाफिज फहीम रजा, आशकीन रजा, मुफती आसिफ रजा, मोलाना माजिद, हाफिज इशहाक, बुरहान भाई, जियान राजा, आसिफ

जुलूस में शामिल मुस्लिम समाज के लोग।

अंसारी, मोहसिन अंसारी ने जुलूस का नेतृत्व किया।

वृंदावन। ईद मिलादुन्नबी के पर मुस्लिम समाज ने मंदिरो की नगरी में जुलूसे मोहम्मदी निकाला। शाही जामा मस्जिद से शुरू हुआ जुलूस अंबेडकर पार्क, चुंगी चौराहा, अनाज मंडी किशोरपुरा और सीएफसी चौराहा होते हुए वापस मस्जिद पहुंचकर शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जुलूस में बच्चे, युवा और बुजुर्ग पारंपरिक लिबास में इस्लामी परचम और तिरंगा लेकर शामिल हुए। 'सरकार की आमद मरहबा' के नारों से वातावरण गूंजता रहा। विभिन्न स्थानों पर लोगों ने जुलूस का स्वागत कर अकीदतमंदों को शर्बत, खाद्य सामग्री और उपहार वितरित किए। शाही जामा मस्जिद के इमाम मौलाना सलमान ने पैगंबर मोहम्मद साहब के भाईचारे, दया, समानता और नेकी के संदेश पर चलने का आह्वान किया। सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात रहा। सीओ सदर वरुण मिश्रा के निर्देशन में पुलिस ने यातायात व्यवस्था संभाली। जुलूस में भुल्लू कुरैशी, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद अब्बास सहित कई लोग मौजूद रहे।

कोसीकलां। पैगंबर–ए–इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के यौमे पैदाइश ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर बुधवार को नगर में बाराहवफात का जुलूस निकाला गया। जुलूस की शुरुआत राठौर नगर स्थित मदरसा रजा–ए–मुस्तुफा से हुई। जुलूस में शामिल मुस्लिम समाज के लोग हाथों में हरे झंडे और तिरंगे लिए सरकार की आमद मरहबा, आका की आमद मरहबा के नारे लगाते हुए चल रहे थे। जुलूस निकासा चौराहा, बल्देवगंज चौराहा, सराय शाही, मैन बाजार, सब्जी मंडी, थाना रोड, अंबेडकर पार्क रेलवे स्टेशन से होता हुआ पुराना जीटी रोड, अग्रसेन चौक, शेरगढ़ चौराहा, घंटाघर होता हुआ वापिस मदरसा रजा–ए–मुस्तुफा पर खत्म हुआ। रास्ते में जगह–जगह जुलूस का फूल–मालाओं से इस्तकबाल किया गया। इस दौरान प्रशासन पूरी तरह से सतर्क नजर आया। ड्रोन केमरे से भी जुलूस की निगरानी की गई। जुलूस में मौलाना उवेश, हाफिज बिलाल, मौलाना जर्रार, मौलाना अब्दुल वकील, मौलाना सलीम, अनवार उर्फ अन्नू मल्लाजी, फरीद चौधरी, रहीश मुल्लाजी, शाहिद, लहरी इस्लाम, अहसान हाजी मंजूर, रहीश अब्बासी आदि लोग आदि थे।

सुरीर। क्षेत्र में बुधवार को जुलूस–ए–मोहम्मद का त्योहार मनाया गया। भदनवारा रोड स्थित मस्जिद से डीजे के साथ जुलूस शुरू हुआ, जो राया–नौहझील रोड, पुरानी मस्जिद और नया बाजार से होकर वापस भदनवारा रोड मस्जिद पहुंचा। जुलूस में सुरीर, तेहरा, परसोती गढ़ी, भदनवारा, सुरीर बंगला और सुल्तानपुर सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग और महिलाएं शामिल हुईं। इस दौरान आवेदन वतन खान, इस्ताक खान, साजिद खान, मुन्ना खान, डोला खान, मेहरुद्दीन खान, गनी खान, साजिद मलिक और जमील शौकत खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इमाम मोहम्मद अशरफ निवासी मुरादाबाद और मोहम्मद ताहिर हुसैन निवासी सुरीर ने बताया कि जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और लोगों ने पूरे उत्साह के साथ त्योहार में भाग लिया।

शेरगढ़। थाना क्षेत्र के ग्राम विशम्भरा में बारावफात का पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। ट्रैक्टरों में सीनरी निकालकर जुलूस निकाला गया, जिसमें ग्रामीणों ने सहभागिता की। ग्राम प्रधान सईद अहमद ने बताया कि बारावफात का दिन पैगंबर हजरत मोहम्मद के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम आयोजक ग्राम प्रधान सईद अहमद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जुल्हेंदी गांव में पर्यटन विकास की नई पहल

अमृत सरोवर के लिए पूजन करते अधिकारी और ग्रामीण।

अमृत सरोवर को भूमि पूजन, 19.90 लाख रुपये होंगे खर्च

यूनिक समय, राधाकुण्ड। मथुरा ब्लाक की ग्राम पंचायत जुल्हेंदी में पर्यटन को नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। वीबीजी रामजी योजना के तहत यहां अमृत सरोवर का निर्माण होगा। सरोवर निर्माण के लिए अधिकारियों और ग्रामीणों ने मिलकर भूमि पूजन कर परियोजना की नींव रखी।

अमृत सरोवर के निर्माण के लिए पहले चरण में 19.90 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिससे जल्द ही खोदाई और निर्माण कार्य शुरू होगा। यह परियोजना न केवल जल संचयन में मदद करेगी, बल्कि इसके आसपास एक पौराणिक वन क्षेत्र भी विकसित किया जाएगा, जो पर्यावरण को शुद्ध और हरा–भरा बनाएगा।

इस अवसर पर आर ई डब्ल्यूयु प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर अजय सक्सेना, स्वामी सच्चिदानंद और पर्यावरण समिति के सदस्य मनोज सक्सेना समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। अजय सक्सेना ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की वीबीजी रामजी योजना का उद्देश्य ग्रामीण इलाकों को खुशहाल बनाना और पर्यटन को बढ़ावा देना है। अमृत सरोवर के आसपास वन क्षेत्र में आधुनिक बेंच लगाकर बैठने की व्यवस्था की जाएगी, साथ ही चारदीवारी पर राधा-कृष्ण की लीलाओं की सुंदर आकृतियां उकेरी जाएंगी, जिससे यहां आने वाले पर्यटकों को एक मनोहारी अनुभव मिलेगा। पंचायत सचिव हरेंद्र सिंह ने बताया कि परियोजना के लिए पहली किस्त के रूप में 19,90,478 रुपये स्वीकृत किए गए हैं, भूमि पूजन के साथ ही निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई है। भूमि पूजन के दौरान इंजीनियर दिनेश शर्मा, हरीशचंद्र दीक्षित, भूपेंद्र सिंह, सिविल इंजीनियर शिल्पा, पूर्व प्रधान यादवीर दीपक, जगन्नाथ समेत कई अन्य लोग इस पहल में शामिल हैं।

शिशु वाटिका के भैया–बहनों ने निकाली कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा में शामिल भैया–बहन।

डूंडा बाबा मंदिर में किया भगवान शिव का जलाभिषेक

यूनिक समय, फरह। पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दीनदयाल धाम के शिशु वाटिका के भैया–बहनों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य कांवड़ यात्रा निकाली। यात्रा विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर गांव में स्थित डूंडा बाबा मंदिर तक पहुंची। इस दौरान बच्चों ने धार्मिक भाव के साथ कांवड़ यात्रा में सहभागिता की।

मंदिर पहुंचने के बाद सभी कांवड़ भक्तों ने विधि–विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर वातावरण शिवभक्ति से सराबोर नजर आया। बच्चों ने भगवान शिव की आराधना कर परिवार, विद्यालय और समाज की सुख–समृद्धि की कामना की। विद्यालय परिवार की ओर से बच्चों को धार्मिक परंपराओं और भारतीय संस्कृति से जोड़ने का संदेश दिया गया। कांवड़ यात्रा के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। विद्यालय के आचार्यों और अन्य सहयोगियों ने यात्रा को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में सहयोग किया। अंत में सभी ने भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

15 घन मीटर अवैध बालू के साथ ट्रैक्टर सीज

यूनिक समय, शेरगढ़। थाना क्षेत्र में खनन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने अवैध बालू खनन, परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पावरट्रैक ट्रैक्टर को सीज किया है। ट्रैक्टर में बिना अनुमति करीब 15 घन मीटर बालू ले जाई जा रही थी। कार्रवाई के बाद ट्रैक्टर को थाने की सुपुर्दगी में खड़ा कराया गया।

खनन विभाग को क्षेत्र में अवैध रूप से बालू के परिवहन की सूचना मिली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए विभागीय अधिकारियों ने थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई की। टीम ने संदिग्ध ट्रैक्टर को रोककर उसकी जांच की। जांच के दौरान ट्रैक्टर में बड़ी मात्रा में बालू लदी मिली। खनन अधिकारी सुभाष की लिखित कार्रवाई के अनुसार, पावरट्रैक ट्रैक्टर चालक बालू के परिवहन से संबंधित आवश्यक अनुमति या वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद टीम ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर सीज कर दिया।

खनन विभाग की कार्रवाई से अवैध खनन और बालू परिवहन से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा है। अधिकारियों के अनुसार, मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने क्षेत्र में अवैध खनन और बिना अनुमति खनिज पदार्थों के परिवहन पर निगरानी बढ़ाने के संकेत दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

महिला को प्रताड़ित करने पर तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, चौमुहां । जैंत थाना क्षेत्र के वाटी गांव में महिला को लंबे समय से प्रताड़ित करने, अभद्र टिप्पणी कर बदनाम करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता के भाई कुलदीप सिंह की तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राथमिकी के अनुसार, कुलदीप की बहन सुनेना को उसके ससुर सत्यवीर सिंह और सास हेमवती कथित रूप से कई वर्षों से परेशान कर रहे थे। आरोप है कि महिला के साथ गाली–गलौज करने के साथ ही उसके चरित्र पर आपत्तिजनक आरोप लगाए गए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि 18 अगस्त की रात करीब 11 बजे हेमवती अपने बेटे पंकज के साथ सुनेना के घर पहुंची और उसके साथ मारपीट करने का प्रयास किया। इस दौरान महिला के साथ गला दबाने की कोशिश किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत के मुताबिक, घटना के बाद महिला भयभीत हो गई और घर से निकल गई। परिजनों ने उसकी तलाश की। 22 अगस्त को वह रामकृष्ण मिशन अस्पताल के पास मिली। इसके बाद परिजनों ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। जैत थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच उपनिरीक्षक संदीप कुमार को सौंपी गई है।

रक्षाबंधन पर मथुरा तक चलेंगी अतिरिक्त ट्रेनें

यूनिक समय,मथुरा। रक्षाबंधन पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने मथुरा जंक्शन तक कुछ ट्रेनों का अस्थायी विस्तार किया है। इससे मथुरा आने–जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी। ट्रेन संख्या 11901 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-आगरा कैंट एक्सप्रेस 27 और 30 अगस्त को मथुरा जंक्शन तक चलेगी। यह ट्रेन मथुरा जंक्शन पर रात 11:25 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 11902 मथुरा-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी एक्सप्रेस 28 और 31 अगस्त को मथुरा जंक्शन से सुबह 4:30 बजे रवाना होगी। ट्रेन संख्या 64625 इटावा-आगरा कैंट मेमू को भी मथुरा जंक्शन तक बढ़ाया गया है। यह ट्रेन 27 से 31 अगस्त तक मथुरा जंक्शन पहुंचेगी और दोपहर 12:15 बजे पहुंचेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 11808 आगरा कैंट-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी मेमू 27 से 31 अगस्त तक मथुरा जंक्शन से दोपहर 12:45 बजे रवाना होगी।